श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 24 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 जुलाई 2025 रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मनसा देवी मंदिर में करंट या अफवाह !

भगदड़ मचने से 6 श्रद्धालुओं की मौत,29 घायल

हरिद्वार, एजेंसी

आज सुबह हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 6 मौत हो गई है जबकि 29 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि मंदिर मार्ग पर सीढ़ियों में करंट फैलने की अफवाह भगदड़ की वजह बनी है, बदहवास होकर श्रध्दालु भागने लगे थे। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने से हादसा हुआ। मनसा देवी मंदिर हरिद्वार में शिवालिक पहाड़ियों पर बिल्व पर्वत पर स्थित है। यह हर-की-पौड़ी से लगभग 3 किमी दूर स्थित है और यहां 1.5 किमी की चढ़ाई वाले रास्ते से या रोपवे के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि कांवड यात्रा के बाद रास्ते खुलने से भीड बढी

हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने में जुटी रहीं। हताहतों की सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उधर इस मामले में लोगों के अलग अलग तर्क सामने आ रहे हैं। गंगा सभा से जुड़े तीर्थ पुरोहित का कहना है कि घटना सुबह करीब सवा नौ बजे के आसपास की है। जब हमने तीर्थयात्रियों को मदद के लिए पुकारते सुना। चूंकि यह केवल पैदल चलने का रास्ता है, इसलिए तुरंत अफरा-तफरी और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। स्थानीय व्यापारी और निवासी शुरू में समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है। जल्द ही एम्बुलेंस पहुंच गई। माना जा रहा है कि रास्ते के पास एक चारदीवारी भी भगदड़ का कारण बनी।

वहीं एक तीर्थयात्री ने कहा कि मैंने देखा कि लगभग 20 लोग घायल लग रहे थे। घटना के बाद, मंदिर के द्वार बंद कर दिये गए। उधर चश्मदीद ने बताया कि मंदिर के पास एक खंभा है, जहां शार्ट सर्किट हुआ। शार्ट सर्किट के बाद जब लोगों ने बताया कि करंट आ रहा है,तो भगदड़ मच गई।

जांच होगी, क्यों फैली अफरातफरी

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मंदिर के मुख्य मार्ग पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए एकत्र थे। रविवार होने के कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक थी और अचानक अफरा-तफरी के कारण स्थिति बेकाबू हो गई। कलेक्टर मयूर दीक्षित ने कहा, 'हमने तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से पाया कि किसी ने बिजली के तार टूटने की अफवाह फैलाई, जबकि घायलों या मृतकों को देखकर हमें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला। हम जांच करेंगे कि किसने अफवाह फैलाई।

इसी कंपनी का विमान जून में अहमदाबाद में क्रैश हुआ था, गई थी 241 जान

बोइंग में आग, लैंडिंग गियर फेल होने से हड़कंप 173 यात्री इमरजेंसी स्लाइडर से बाहर निकले

डेनेवर, एजेंसी

अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। अमेरिकन एयरलाइंस के 'बोइंग 737 मैक्स 8 विमान' का लैंडिंग गियर फेल होने के कारण टेकऑफ रोकना पड़ा। इस दौरान विमान के पिछले हिस्से में आग लग गई। यह फ्लाइट मियामी जा रही थी। यह घटना अमेरिकी समय के मुताबिक दोपहर 2.45 बजे और भारतीय समयानुसार तड़के तीन बजे के आसपास हुई। विमान में कुल 173 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स सवार थे। सभी को इमरजेंसी स्लाइड के जरिए बाहर निकाला गया। हादसे के बाद 6 लोगों को मामूली चोटें आईं, जिनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और एयरलाइंस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गत जून माह में

अहमदाबाद में एअर इंडिया का जो प्लेन क्रैश हुआ था वह बोइंग कंपनी का ही था। तब का 'बोइंग 787-8 विमान' टेकऑफ के दो मिनट बाद ही क्रैश हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी।

अमेरिकन एयरलाइंस ने पुष्टि की है, कि विमान के टायर में तकनीकी खराबी थी, जिसकी वजह से इसे सर्विस से हटा लिया गया है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं, फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया। पैसेंजर्स को मियामी ले जाने के लिए एक नया विमान तैयार किया गया है। एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टॉप लागू रहा, जिसकी वजह से 87 उड़ानें प्रभावित हुईं। अब एयरपोर्ट पर सामान्य तरीके से कामकाज शुरू हो चुका है।

मार्च में भी इमरजेंसी लैंडिंग

बताया जाता है कि इससे पहले मार्च में भी डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अमेरिकी एयरलाइंस के एक विमान में इंजन से जुड़ी समस्या के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी। इस घटना से 24 घंटे पहले ही 'साउथवेस्ट फ्लाइट 1496' को कैलिफोर्निया के बरबैंक से लास वेगास जाते समय मिड-एयर टकराव से बचने के लिए अचानक 'नोज ड्राप' (नीचे की ओर गोता लगाना) करना पड़ा, जिससे पैसेंजर्स अपनी सीटों से उछलकर छत से टकरा गए।

विस का मानसून सत्र कल से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेशविधानसभा का मानसून सत्र कल से शुरू हो रहा है। यह 8 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र के दौरान कुल दस बैठकें होंगी। सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय को कुल 3377 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा 191 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं और एक स्थगन प्रस्ताव भी मिला है। माना जा रहा है कि इस सत्र में मोहन सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी। जिसमें सरकार ने केवल जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता से राशि देने का निर्णय लिया है।

विधानसभा सत्र में सरकार को घेरने के लिए विपक्षी दल कांग्रेस ने कई विषयों पर मशक्कत की है,इसके अलावा विस परिसर में प्रदर्शन नारेबाजी आदि पर रोक के फैसले पर भी तेवर दिखाने की तैयारी की है।

वीडियो मैसेज से हडकंप, आंगनबाड़ी में भर्ती के नाम पर पैसे मांग रहे दलाल व अफसर

मंत्री ने फिर सरकार को मुश्किल में डाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार के अजा कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका भर्ती के नाम पर दलालों व अफसरों द्वारा रुपए मांगे जाने के आरोप लगाकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मंत्री ने वीडियो जारी कर कहा कि किसी को एक रुपए देने की जरुरत नहीं है, यदि कोई मांगे तो शिकायत करें, उन पर कार्रवाई कराई जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्र महिला एवं बाल विकास विभाग में तहत आते हैं, जिनकी मंत्री मंत्री निर्मला भूरिया है। उधर मंत्री ने मीडिया में सफाई दी है, और कहा है कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि रुपए लेकर भर्ती की जा रही है, बल्कि मैंने यह कहा कि भर्ती के नाम पर रुपए मांगे जा रहे हैं।

एक ही अंचल के दोनों मंत्री

अलीराजपुर जिले में ये बातें सामने आ रही है कि कई लोग दलाली के चक्कर में घूम रहे हैं। कहीं न कहीं विभाग के कुछ अधिकारी, कर्मचारी भी मिले हुए हैं। संबंधितों द्वारा ये कहा जा रहा है कि आंगनबाड़ी की भर्ती है, उसमें नियुक्ति करा दी जाएगी, आप इतनी राशि दे दो। मेरे पास शिकायतें आ रही हैं। मैं सभी बहनों से निवेदन करना चाहता हूं कि किसी को भी एक पैसा देने की जरुरत नहीं है। खास बात यह कि नागर व विभागीय मंत्री भूरिया एक ही अंचल के हैं।

दरअसल महिला एवं बाल विकास विभाग में 19 हजार 504 पदों पर भर्ती होनी है, इसमें से 2027 पद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व 17477 पद सहायिकाओं से भरे जाने हैं। कैबिनेट ने कुछ महीने पहले ही प्रदेश में नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मंजूरी दी थी। इनके लिए कार्यकर्ता व सहायिका के पदों को भी मंजूरी दी थी।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मंत्री स्वयं भ्रष्टाचार की बात स्वीकार कर रहे हैं, यह हाल तो एक जिले का है, बाकी जिले की स्थिति भी पता चलनी चाहिए।

सुपरवाइजरों के नए पद भी सृजित किए थे। जबकि पूर्व से कई पद खाली थी। इस तरह इन सभी पदों पर अलीराजपुर समेत कुछ जिलों में भर्ती प्रक्रिया चल रही है तो कुछ में शुरू होनी है। यह पहला मौका नहीं है जब मंत्री नागर सिंह चौहान सुर्खियों में आए, बल्कि इसके पहले जब सरकार ने उनसे वन व पर्यावरण विभाग लेकर तत्कालीन मंत्री रामनिवास रावत को दिए थे तब भी उन्होंने नाराजगी जाहिर की थी। काफी नाराज हुए और दिल्ली जा बैठे थे।

तेजप्रताप निर्दलीय चुनाव में उतरेंगे,आरजेडी में खलबली

पटना एजेंसी। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान करके सनसनी मचा दी है। वे अभी हसनपुर से विधायक हैं और महुआ सीट पर आरजेडी का विधायक है। तेजप्रताप ने कहा कि टीम तेजप्रताप एक प्लेटफार्म है। हमारी टीम चुनाव में भी सभी को सपोर्ट करेगी, जो युवा पीढ़ी है, लड़ना चाहेगी। उन सबको सपोर्ट किया जाएगा। पूरी उम्मीद है कि चाचा इस बार सीएम नहीं बनेंगे। जो युवा, शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य सेवा की बात करेगा वही सरकार बनाएगा। यादव ने कहा, महुआ से चुनाव लड़ेंगे यह हम पहले ही बोल चुके हैं। जो विरोधी हैं, उनको खुजली चालू हो गई है। महुआ से अभी आरजेडी के मुकेश कुमार विधायक हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव में जेडीयू की आशमा परवीन को 13687 वोटों से हराया था।

सुप्रीम कोर्ट में आयोग के जवाब पर आपत्ति

बिहार में नागरिकता जांच के मामले में एडीआर ने कहा-मतदाता के साथ धोखा

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के जवाब पर तर्क दिया है कि मतदाताओं की नागरिकता की जांच करने का चुनाव आयोग का दावा पूर्व के फैसलों के विपरीत है। बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकता सत्यापित की जा रही है। इस मामले में एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडीआर ने आधार और राशन कार्ड को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर करने को भी बेतुका बताया है। एडीआर का कहना है कि आधार, पासपोर्ट,

जाति प्रमाण पत्र और स्थायी निवास प्रमाणपत्र स्वीकार किया जाता है। मगर चुनाव आयोग यह बताने में विफल रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पुनरीक्षण अभ्यास को क्यों जल्दबाजी में किया जा रहा है। एडीआर ने इसे राज्य के मतदाताओं के साथ गंभीर धोखाधड़ी करार दिया है।

उल्लेखनीय है कि 24 जून को घोषित बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) पर विवाद खड़ा हो गया है। इसमें 2003 के बाद नामांकित मतदाताओं को सूची में बने रहने के लिए कई दस्तावेज पेश करने होंगे। इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका है। चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती दी गई है। एडीआर ने स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से आधार और राशन कार्ड को बाहर करने को बेहद बेतुका बताया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात रेडियो कार्यक्रम भोपाल में गुलमोहर क्षेत्र के शील पब्लिक स्कूल में सुना व बाद में इस परिसर में बरगद का पौधा रोपा।

मेट्रो एंकर

सिर्फ भिंड-मुरैना को आज राहत, बाकी जगह हालात खराब

पहली बार...मप्र के 53 जिलों में भारी बारिश का एक साथ अलर्ट

भोपाल दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। आज पहली बार 53 जिलों में अतिभारी और भारी बारिश का रेड, ऑरेंज-यलो अलर्ट जारी हुआ है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के सभी 15 जिलों में पहली बार एक साथ रेड और ऑरेंज अलर्ट है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के सभी जिलों में तेज बारिश होगी। वहीं, चंबल के 2 जिले- मुरैना और भिंड में हल्की बारिश होगी।

उधर बैतूल में बारिश के कारण नई दिल्ली-चेन्नई रेल मार्ग पर ओवरहेड इलेक्ट्रिक का इंसुलेटर फट गया, जिससे केबल गार्ड टूटकर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। हादसा शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे हुआ। करीब साढ़े 4 घंटे तक ट्रैक बाधित रहा। 12 से ज्यादा ट्रेन लेट हो गईं। खंडवा में नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से आज सुबह 4 बजे इंदिरा सागर बांध और सुबह 5.30 बजे ओंकारेश्वर बांध के गेट खोल दिए गए हैं।

इंदिरा सागर बांध के 10 गेट आधा मीटर और 2 गेट एक मीटर तक खोले गए। इनसे 3460 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। ओंकारेश्वर डैम के 9 गेट खोले गए हैं। यहां से कुल 3510 क्यूमेक्स पानी नर्मदा में छोड़ा जा रहा है।

लैंडस्लाइड: केदारनाथ रूट बंद

मौसम विभाग ने आज पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्यप्रदेश और गुजरात में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रुद्रप्रयाग में रात भर बारिश के कारण 1600 से ज्यादा चारधाम तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है। बारिश के कारण पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिरे हैं और गौरीकुंड के पास केदारनाथ जाने वाला मार्ग अवरुद्ध है अभी भी यहां फंसे 700 तीर्थयात्रियों को निकालने की कोशिश जारी है। ओडिशा सरकार ने शनिवार को बालासोर, भद्रक और जाजपुर के अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है। कई नदियां उफान पर हैं।

घायल ऋषभ आज भी बैंटिंग के लिए मैदान में उतरेंगे

मैनचेस्टर एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जा रहा टेस्टमैच अब निर्णायक मोड़ पर है। चौथे दिन स्टम्प तक भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में दूसरी पारी में 2 विकेट पर 174 रन बना लिए हैं। आज पांचवें दिन के खेल से पहले भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर सामने आई है, इंजरी से जूझ रहे ऋषभ पंत दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वालमार्ट स्टोर में चाकूबाजी की घटना में 11 घायल

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ट्रैवर्स सिटी के पास स्थित एक वॉलमार्ट स्टोर में चाकू से हमले की घटना में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स ने मिशिगन स्टेट पुलिस के हवाले से दी है। मुनसन हेल्थकेयर की चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर मेगन ब्राउन के अनुसार, सभी घायल लोगों का इलाज ट्रैवर्स सिटी के मुनसन मेडिकल सेंटर में किया जा रहा है।

सहपाठियों से मिले शिवराज, स्कूली जीवन को किया याद

भोपाल दोपहर मेट्रो

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास पर गत दिवस उनके स्कूली जीवन के सहपाठियों की एक महफिल जमी। मॉडल स्कूल के सहपाठियों के इस विशेष मुलाकात में 1975 बैच के सहपाठियों ने अपने पुराने मित्र से मिलने के लिए यह कार्यक्रम निर्धारित किया था। इस दौरान 1975 बैच के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली एलुमनाई वर्ष आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

शिवराज ने मॉडल स्कूल 1975 बैच के 50 वर्ष पूर्ण होने पर अपने सहपाठियों से की मुलाकात

इस मुलाकात के दौरान शिवराज ने 50 साल पुराने मित्रों के साथ एक पूरा दिन बिताने की इच्छा ज़ाहिर की और कहा कि 'पुरानी यादों को जीना जीवन का सबसे बड़ा सुख है। हम सब फिर से अपने बचपन में लौटेंगे और उस दौर की बातें साझा करेंगे।' इस संदर्भ में एक विस्तृत कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर इसे अंतिम रूप देने के लिए पुनः आमंत्रित किया।

इस अवसर पर मोसा (मॉडल ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन) के स्कूल के सहपाठी अध्यक्ष नितिन नांदगांवकर, महामंत्री अजय श्रीवास्तव (नीलू), शेखर दुबे एवं अन्य पदाधिकारी आलोक श्रीवास्तव, विकास दुबे, गोविन्द चौरसिया और फिल्म निर्माता आदित्य चौरसिया उपस्थित रहे। सभी मित्रों ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए अपने अनुभव साझा किए।

दिल से जुड़ा पल

शिवराज ने इस मुलाकात को 'दिल से जुड़ा हुआ पल' बताते हुए शीघ्र ही सभी साथियों से मिलने की इसका व्यक्त की उन्होंने विशेष रूप से कहा की वे वर्तमान में मॉडल स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से भी अवसर पर चर्चा कर पुरानी यादें साझा करना चाहेंगे। शिवराज के सहपाठी नीलू श्रीवास्तव ने बताया कि जल्दी ही गोल्डन जुबली कार्यक्रम की रूपरेखा बना ली जाएगी।

परेशान ग्राहक को बड़ी राहत, 8 हजार का 'जुर्माना' भी

हाइटेक स्कूटर नहीं हुआ स्टार्ट, उपभोक्ता आयोग ने कंपनी से कहा-लौटाओ 1.78 लाख

भोपाल दोपहर मेट्रो

मानसिक कष्ट की वजह बन गए स्कूटर के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने इसकी निर्माता कंपनी को पूरी कीमत लौटाने का आदेश दिया है। दरअसल इसे भविष्य की सवारी बताकर बेचा गया मगर वह उपभोक्ता के लिए रोजमर्रा की परेशानी बन गया। बार-बार खराबी से तंग आकर उपभोक्ता ने उपभोक्ता आयोग में मामला दर्ज कराया और आयोग ने ओला इलेक्ट्रिक को तगड़ा झटका देते हुए पूरा पैसा लौटाने का आदेश दे दिया है। भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने कहा कि उपभोक्ता को स्कूटर की पूरी कीमत 1.78 लाख रुपए ब्याज सहित लौटाई जाए। साथ ही मानसिक कष्ट के लिए 5 हजार और वाद व्यय के लिए 3 हजार रुपए अलग से अदा किए जाएं। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल और सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडेय की पीठ ने सुनाया।

जानकारी के मुताबिक गोविंदपुरा निवासी आकाश साहू और उनकी पत्नी सुशीला थापा ने 18 जुलाई 2023 को रायसेन रोड स्थित ओला स्टोर से ओला एस-1 प्रो (प्रथम जनरेशन) खरीदा था। कंपनी ने इसे की-लेस स्टार्ट, मोबाइल ऐप से ट्रैकिंग, बैटरी स्टेटस, फास्ट सर्विस और तीन साल की वारंटी जैसी सुविधाओं से लैस बताया था। लेकिन स्कूटर की उपयोगिता और दावों की कहानी खरीद के कुछ ही दिनों बाद बदलने लगी, स्क्रीन बार-बार हैंग होने लगी, स्टार्ट नहीं होता, वाई-फाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फेल, सड़क पर बंद होकर खड़ा हो जाता था। रोड साइड असिस्टेंस के दावे भी हवा हो गए, क्योंकि उपभोक्ता को खुद ही स्कूटर सर्विस सेंटर तक घसीट कर ले जाना पड़ता था।

स्कूटर लो, पैसे दो...!

कंपनी की लाख सफाई मगर..

बताया जाता है कि कंपनी ने अपने बचाव में कई दलीलें दीं। ओला ने जवाब में कहा कि उन्होंने सभी शिकायतों का समाधान किया, स्क्रीन भी बदली गई और कोई निर्माण खामी नहीं है। लेकिन आयोग ने माना कि ग्राहक को जॉबकार्ड जैसी जरूरी जानकारी तक नहीं दी गई, और बार-बार की खामियां इस बात का संकेत हैं कि वाहन में बुनियादी तकनीकी कमी थी।

सबसे पहले तैयार होंगे चार कुंड, प्रेमपुरा को व्यवस्थित किया जाएगा

हर इलाके में विसर्जन कुंड, ट्रैफिक जाम से बचने नए प्लान के लिए सर्वे

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में अब प्रत्येक इलाके में प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कुंड बनाने की तैयारी चल रही है। इनमें से कई अगले एक वर्ष में तैयार हो जाएंगे। इन विसर्जन कुंडों के तैयार होने से एक ओर जहां विसर्जन के दौरान शहर में लगने वाले ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी, वहीं दूसरी ओर शहर की झीलों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस पहल में सबसे पहले बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, नीलबड़, संजीव नगर, मालीखेड़ी में कुंड तैयार किए जाएंगे और प्रेमपुरा घाट में बने कुंड को और व्यवस्थित किया जाएगा। इसके बाद हथाईखेड़ा, पांच नंबर, शाहपुरा समेत अन्य संभावित इलाकों में भी विसर्जन कुंड बनाए जाएंगे। अफसरों का कहना है कि जरूरत के अनुसार अन्य क्षेत्रों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

बताया जाता है कि नगर निगम ने इस योजना के लिये इलाकों का सर्वे शुरू कर दिया है।इसमें देखा जा रहा है कि किस इलाके में कितनी झांकियां बैठती हैं। उन झांकियों के विसर्जन का रूट कौन सा है।

इसके लिए पार्षदों से भी सुझाव लिए गए हैं। इसमें उन इलाकों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां पर विसर्जन के लिए आसानी से पहुंचा जा सके। इसके लिए उस तक पहुंचने के लिए रोड भी बनाई जाएंगी। सुरक्षा के मद्देनजर विसर्जन घाट को कवर किया जाएगा। इसमें प्रॉपर लाइट आदि की व्यवस्था की जाएगी।

बताया जाता है कि मिसरोद और नर्मदापुरम रोड की झांकियां बीयू में, कोलार और शाहपुरा की शाहपुरा तालाब के पास, रातीबढ़ की नीलबढ़, अयोध्या नगर, आनंद नगर, पटेल नगर, भानपुर की हथाईखेड़ा के पास बने विसर्जन कुंड में ले जाने का प्लान रहेगा। 5 नंबर तालाब के पास विसर्जन कुंड बनाया जाएगा।

अभी होती है अफरातफरी

उल्लेखनीय है कि अभी प्रेमपुरा घाट और छोटे तालाब में विसर्जन होता है। शहर से होकर चल समारोह निकलता है। यह भारत टॉकीज तिराहा, सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा चौराहा, गणेश चौक मंगलवारा, गल्ला मंडी हनुमानगंज, छोटे भैया चौराहा, जनकपुरी, जुमेराती, पुराना पोस्ट ऑफिस, सिंधी मार्केट, पीरगेट, मोती मस्जिद, रेतघाट, कमला पार्क से होकर कमलापति घाट तक जाता है। उधर कुछ झांकियां पॉलिटेक्निक चौराहा से डिपो चौराहा, 25वीं वाहिनी के सामने भदभदा तिराहा होकर प्रेमपुरा घाट विसर्जन के लिए जाती हैं। इसके कारण टॉकीज चौराहा, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड चौराहा, भोपाल टॉकीज चौराहा, मंगलवारा थाना तिराहा, दयानंद चौक, जुमेराती पानी की टंकी तिराहा, पुरानी सब्जी मंडी, घोड़ा नक्कास, हमीदिया रोड, शाहजहांनाबाद, रोशनपुरा, टीटी नगर और भदभदा रोड का ट्रैफिक दो दिन तक प्रभावित रहता है।

राजधानी में चल रही मुहिम, लोगों में हिचक और विरोध

अब तक दो लाख स्मार्ट मीटर 'ठोक' चुकी बिजली कंपनी

भोपाल दोपहर मेट्रो

बिजली कंपनी ने अब तक अपनी मुहिम के तहत शहर में 1 लाख 80 हजार स्मार्ट मीटर लगा दिये हैं। कंपनी अगस्त से इन उपभोक्ताओं को भी पूर्व की तरह स्पॉट बिल देगी।

कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि जहां नए स्मार्ट मीटर लग रहे हैं, उनकी पहली रीडिंग में 10 या 15 दिन की देरी हो सकती है। इससे उन्हें स्लिप गड़बड़ होने या बिल ज्यादा आने जैसा नुकसान नहीं होगा। हालांकि शहर में स्मार्ट मीटर को लेकर कुछ समय से विरोध के सुर भी उभर रहे हैं और लोग ज्यादा बिल आने के भी शिकवे कर रहे हैं। वहीं बिजली कंपनी के भोपाल सिटी सर्कल के जनरल मैनेजर बीबीएस परिहार ने बताया कि फीचर्स के हिसाब से स्मार्ट मीटर में महीने की पहली तारीख को रीडिंग ले रहे हैं। किसी उपभोक्ता के यहां पहली बार मीटर लगेगा, तो पुराना निकाला जाएगा। नए मीटर की स्टार्ट रीडिंग 3 स्तर पर चेक होती है। बताया जाता है कि अभी सिस्टम के हिसाब से इसमें अगली रीडिंग में 10 से 15 दिन लगते हैं। 100 और 150 यूनिट मासिक खपत सब्सिडी वाले उपभोक्ताओं की यदि 40 दिन में 200 यूनिट रीडिंग हुई, तो भी उन्हें सब्सिडी मिलेगी। रीडिंग देर से होने पर नुकसान नहीं होगा। गौरतलब है कि बिजली कंपनी ने शहर के सभी इलाकों में स्मार्ट मीटर के लिये कोशिशें चला रखी हैं।

विधायक रामेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय ने किया भूमि पूजन

75 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संतनगर के वार्ड 4 में 75 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। महापौर मालती राय और विधायक रामेश्वर शर्मा ने भूमि पूजन किया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने स्पष्ट किया कि लव जिहाद और नशे के सौदागरों को बख्शा नहीं जाएगा, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार इस दिशा में सख्त कदम उठा रही है। उन्होंने नागरिकों की बड़ी संख्या के बीच यह भी घोषणा की कि संत हिरदाराम नगर में विकास के तमाम कार्य जारी हैं। रेलवे ओवर ब्रिज का लोकार्पण नवंबर माह में किया जाएगा, जबकि 305 करोड़ रुपये की लागत वाले सिक्स लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर का काम दिसंबर 2026 तक हर हालत में पूरा कर लिया जाएगा, जिससे क्षेत्र में यातायात की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। विधायक ने यह भी बताया कि सीवेज और पानी की पाइपलाइन बिछाने की एक बड़ी योजना है, जिसके बाद हर गली-मोहल्ले की सड़कों को पक्का किया जाएगा।

विकास के लिए प्रतिबद्ध

एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने बताया कि अभी 75 लाख रुपये के विकास कार्य शुरू हो रहे हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पिछले साल 1.50 करोड़ रुपये के काम हुए थे, और इस वित्तीय वर्ष में कुल 2 करोड़ रुपये की राशि से विभिन्न स्तरों पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास के कार्य निरंतर जारी रहेंगे और आम जनता से किए गए सभी वादों को अवश्य पूरा किया जाएगा।

सफाई कर्मियों को श्रेय

महापौर मालती राय ने कहा कि अगर भोपाल सफाई के मामले में देश में दूसरे स्थान पर आया है, तो इसका श्रेय उन्हें या किसी अधिकारी या नेता को नहीं, बल्कि प्रत्येक सफाई कामगार को जाता है। उन्होंने कहा कि ये कामगार सर्दी, गर्मी या किसी भी त्यौहार के दौरान, जब हम अपने घरों में मिठाइयां खाते हैं, तब भी सड़कों पर झाड़ू लगाने में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने वाल्मीकि समाज के प्रति भी आभार व्यक्त किया और इस क्षेत्र के विकास के लिए विधायक से समुचित सहयोग की अपेक्षा की।

यह मौजूद रहे

इस अवसर पर भाजपा नेता जगदीश यादव, चंद्रप्रकाश इसरानी, रामू केवट, राहुल राजपूत, राम बंसल रैनवाल, राधे महाराज, नरेंद्र लालवानी, सुरेश जसवानी, नवरंग धाकड़, हरीश मूलानी, बसंत चेलानी, कमल प्रेमचंदानी, पंचायत कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, तथा महेश खटवानी, लीला राजपूत, सीमा लालवानी, आजाद सिंह सिसोदिया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिंधी व्यंजन कुकिंग प्रतियोगिता

महिलाओं ने बनाए स्वादिष्ट पकवान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

सिंधी व्यंजनों की समृद्ध परंपरा को जीवंत रखने के उद्देश्य से, सिंधी मेला समिति द्वारा शनिवार, 26 जुलाई को राजधानी भोपाल में एक रोमांचक कुकिंग प्रतियोगिता का भव्य आगाज़ हुआ। यह प्रतियोगिता भोपाल के 12 विभिन्न सेंटरों पर एक साथ शुरू हुई, जिसमें 12 साल की बालिका से लेकर 80 वर्ष तक की बुजुर्ग महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सिंधी मेला समिति की प्रतियोगता 12 सेंटरों पर शुरू हुई

संत कंवरराम कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, विजय नगर, सुविधा विहार, कोटरा सुल्तानाबाद, एयरो सिटी और ग्रीन एकड़ जैसे इलाकों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में सिंधी समाज की 400 से अधिक महिलाओं ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। इन महिलाओं ने विशेष रूप से पारंपरिक सिंधी व्यंजन तैयार किए, जिनमें बीह पटाटा, साई भाजी, सेयल मानी, खोराक, और सिंगर जी मिठाई जैसे स्वादिष्ट पकवान शामिल थे। प्रतियोगिता में महिलाओं का उत्साह और हुनर देखने लायक था।

सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने इस अवसर पर कहा कि सिंध प्रांत में बनने वाले इन व्यंजनों को देखकर सिंध की पुरानी यादें ताज़ा हो गईं।

आज, शनिवार को भोपाल के 12 स्थानों पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, और कल, रविवार, 27 जुलाई को यह आयोजन भोपाल के 11 अन्य सेंटरों पर जारी रहेगा। इस प्रतियोगिता में चयनित हुई प्रतिभाशाली महिलाओं को 2 अगस्त को मानस भवन में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में 'बेस्ट कुकिंग अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा।

मैट्रो एंकर | **कारगिल विजय दिवस पर संतनगर और गांधीनगर के स्कूलों में हुए कार्यक्रम**

शहीदों को श्रद्धांजलि, बच्चों ने प्रस्तुतियों में दिखाया देशभक्ति जज्बा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

कारगिल विजय दिवस पर संतनगर में सैनिकों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। शिक्षण संस्थाओं ने विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों में देशभक्ति और बलिदान की भावना को जागृत किया। इन आयोजनों में श्रद्धांजलि सभाएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रेरणादायक उद्बोधन शामिल थे।

साधु वासवानी स्कूल कारगिल विजय मनाया गया। शहीदों को मोमबत्तियां जलाकर और पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि यह कार्यक्रम हमें उन वीरों के बलिदानों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल ने कहा कि इन वीरों के जज्बे को सलाम है, और उन्हें हर दिन याद करना चाहिए। छात्रा कंचन ने कारगिल दिवस पर एक कविता प्रस्तुत की। लवीशा ने अपने विचार रखे।शिक्षिका और छात्रा गीतांजलि ने देशभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' प्रस्तुत किया।

शहीदों को किया गया याद

मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों की कुर्बानियों को याद किया और देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दीं। सिद्धभाऊजी ने अपने संदेश में कहा कि देशभक्ति केवल सेना में ही नहीं, बल्कि अपने हर कर्तव्य को निष्ठा से निभाने और संस्कारों से युक्त नागरिक बनने में निहित है। सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने देशभक्ति के साथ कर्तव्य निर्वहन का संदेश दिया। प्राचार्य अजय बहादुर ने भी विचार व्यक्त किए। शिक्षक संत चौरहा ने कारगिल विजय गाथा को बताया। वहीं नवनिध स्कूल में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मोमबत्तियां जलाकर कारगिल युद्ध के शहीदों को नमन करने से हुई। छात्राओं ने रोल प्ले के माध्यम से शहीद सेनानायकों की वीरगाथाओं को जीवंत किया। छात्रा हिताक्षी वाधवानी ने भाषण दिया। जबकि संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में एनसीसी कैडेट कोर यूनिट ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने देशप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा पर जोर दिया। सहायक प्राध्यापिका सोनिया शर्मा ने कारगिल युद्ध का ऐतिहासिक महत्व समझाया और शहीदों को याद किया। उधर, लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, एल.वी.एस. प्ले ग्रुप स्कूल एवं वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल गांधीनगर में कारगिल विजय पर शहीदों को नमन किया गया। बच्चों ने कारगिल शहीदों के बलिदान को याद करते हुए भजन, कविता और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।

पर्यटन के लिए विरासत को विकसित करने के करार हुए

रीवा में टूरिज्म के रीजनल प्रयोग से सरकार गदगद

दोहपर मेट्रो, भोपाल/रीवा

राज्य सरकार ने रीवा टूरिज्म कॉन्क्लेव में मिले प्रतिसाद से खुश है। बीती रात इस आयोजन में विंध्य क्षेत्र में 3 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र के दोनों संभाग, रीवा और शहडोल में पर्यटन के जरिए आर्थिक समृद्धि और रोजगार के नए द्वार अब खुलेंगे। विंध्य की विरासत को दुनिया देखने आएगी।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में बताया कि इस कॉन्क्लेव में सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव फ्लाईओला कंपनी की ओर से आया है। फ्लाईओला के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीराम ओला ने विंध्य क्षेत्र में 700 करोड़ के निवेश की मंशा जताई। आरसीआर सीपीएल और विंध्य प्राइड के दिव्यांश सिंह बघेल ने 500 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। अमित दिग्विजय सिंह ने 500 करोड़ और समदड़िया बिल्डर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अजीत समदड़िया ने 300 करोड़ के निवेश का इरादा व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि जंगल कैंप इंडिया के गजेंद्र सिंह राठौर ने 150 करोड़, गौरव प्रताप सिंह और पुष्पराज सिंह ने 100-100 करोड़, राजस्थान फोर्ट एंड पैलेस के मैनेजिंग डायरेक्टर मानवेंद्र सिंह शेखावत ने हेरिटेज प्रॉपर्टी को विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है।

सरकार का अगला पड़ाव चंबल

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में विंध्य क्षेत्र को ध्यान में रखकर की गई यह पहली टूरिज्म कॉन्क्लेव है। इसके बाद चंबल और मालवा क्षेत्र में अगली टूरिज्म कॉन्क्लेव होंगी। यूनेस्को की भारत में प्रस्तावित 62 नए धरोहर स्थल हैं, इनमें से 18 मप्र के हैं। यहां 247 नदियां मप्र में बहती हैं, जो इसे नदियों का मायका बनाती हैं। इससे पहले कल सीएम ने सतना जिले के सिंहपुर में मातृशक्ति उत्सव के आयोजन में शिकरत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना बहन-बेटियों के लिए सम्मान का प्रतीक है। सरकार चरणबद्ध तरीके से इस योजना की राशि में वृद्धि करेगी। 2028 तक यह राशि 3 हजार हो जाएगी। सावन के महीने में लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए के साथ 250 रुपए अतिरिक्त आएंगे। इस अवसर पर सीएम ने सतना में 93 करोड़ से अधिक राशि के 232 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। सीएम ने कहा कि रैगांव क्षेत्र में सिंहपुर में सोलर प्लांट स्थापित करने की पहल की जाएगी।

शिवपुरी नपा के निलंबित उपयंत्री एवं सहायक यंत्री पर एफआईआर

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर नगरपालिका शिवपुरी के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक जांच में शिकायत को सही पाया गया।

कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को पटवारी रवि प्रकाश लोधी की शिकायत पर नगरपालिका के उपयंत्री जितेंद्र परिहार, सहायक यंत्री सतीश निगम और ठेकेदार अर्पित शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एडीएम शिवपुरी और नगरपालिका सीएमओ की टीमों से भौतिक सत्यापन कराया गया। टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 01, 07, 17, 31, 36 व 39 में जाकर जांच की तो यह पाया गया कि 16 लाख 13 हजार 906 रुपए का गिट्टी-डस्ट मटेरियल कम पाया गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि ठेकेदार द्वारा यह मटेरियल नहीं डलवाया गया। उपयंत्री जितेंद्र परिहार और सहायक यंत्री सतीश निगम की मिलीभगत से बिना काम का भुगतान ले लिया गया। इस पर शासन ने गंभीरता से निर्णय लेते हुए कार्रवाई की।

युंका चुनाव के लिए पहली बार रिकार्डतोड़ मेंबरशिप

सदस्यता आंकड़ा 15 लाख के पार

अध्यक्ष पद के लिए कश्मकश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में युवा कांग्रेस ने सदस्य बनाने में रिकार्ड तोड़ दिया है। पहली बार मप्र में युवा कांग्रेस ने 15 लाख से ज्यादा बना लिये हैं। युवा कांग्रेस की सदस्यता शुरू हुई थी और एक महीना चलने के बाद बंद हुई है। युवा कांग्रेस के चुनाव में सबसे ज्यादा घमासान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के गृह जिले धार में देखने को मिला है। जहां युंका जिला अध्यक्ष के लिए सबसे ज्यादा 15 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है। जबकि पूर्व सीएम कमलनाथ के गृह जिले छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए कोई मुकाबला नजर नहीं आया। दोनों जिलों में सिर्फ एक-एक उम्मीदवार ने चुनाव लड़ा। हरदा में भी सिंगल केंडिडेट रहा। इन तीनों जिलों में निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाएंगे।

जानकारी के मुताबिक चुनाव के लिए चलाए गए सदस्यता अभियान में नए मेंबर्स ने सदस्यता लेने के बाद 6 पदों के लिए मतदान किया है। ब्लॉक अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, प्रदेश महासचिव और प्रदेश अध्यक्ष का वोट डाले हैं। अब दो महीनों तक सभी वोटों की स्क्रूटनी होगी। इसमें ये देखा जाएगा कि वोट देने वाले ने अपने दस्तावेज अपलोड किए हैं या नहीं, मतदान के बाद वीडियो अपलोड किया है या नहीं। यदि मेंबरशिप फीस अदा नहीं की है तो वोट रिजेक्ट माना जाएगा।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। सबसे ज्यादा वोटिंग जबलपुर, भोपाल और ग्वालियर में हुई है। जबलपुर के विधायक और पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के बेटे यश घनघोरिया प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं। वहीं भोपाल के अभिषेक परमार और ग्वालियर के शिवराज यादव ने भी चुनाव जीतने के लिए दम लगाया है। इनके अलावा योगिता सिंह, जावेद पटेल, अभिषेक परमार,नीरज पटेल, गीता कडवे, प्रमोद सिंह, विश्वजीत सिंह चौहान, विनय पांडेय, राजवीर कुड़िया, प्रियेश चौकड़े, अब्दुल करीम कुरैशी, शुभांगना राजे जामनिया, आशीष चौबे यश घनघोरिया देवेंद्रसिंह दादू स्वीटी पाटिल, शिवराज यादव,मोनिका मंडरे, राजीव सिंह भी रेस में हैं।

महासचिव के लिए घमासान ज्यादा

युंका प्रदेश महासचिव के लिए सबसे ज्यादा घमासान नजर आया है। महासचिव के लिए 182 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है। प्रदेश कार्यकारिणी में अध्यक्ष के साथ नौ उपाध्यक्ष होंगे। इनमें एसटी, एससी, ओबीसी, महिला, अल्पसंख्यक और एक दिव्यांग उपाध्यक्ष होगा। जबकि कार्यकारिणी में 48 प्रदेश महासचिव बनाए जाएंगे। इनमें 17 महासचिव अनारक्षित वर्ग से होंगे। 3 एसटी, एससी, 5 ओबीसी, 5 अल्पसंख्यक, 11 महिला, 2 ओबीसी महिला, एक अल्पसंख्यक महिला, एक दिव्यांग और एक ट्रांसजेंडर को महासचिव बनाया जाएगा।

बीईओ से मारपीट करने वाले भाजपा मंडल अध्यक्ष पर दर्ज हुई एफआईआर

20 हजार मांगे थे, नहीं देने पर धमकाया और थप्पड़ मारा; 16 दिन बाद केस दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भिंड जिले के मेहगांव ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजवीर शर्मा पर 10 जुलाई को सीएम राइस स्कूल में गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने मारपीट और धमकी दी थी। बीईओ के अनुसार आरोपी ने 20 हजार रुपए मांगे और इनकार पर गाली-गलौज कर थप्पड़ मार दिया। घटना स्कूल के सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी, लेकिन बाद में राजनीतिक दबाव में फुटेज डिलीट कर दी गई।

घटना के बाद बीईओ राजवीर शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी, लेकिन 16 दिन तक स्न्नद्धक्रनहीं दर्ज की गई। इस बीच कांग्रेस के पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने पीड़ित बीईओ के समर्थन में प्रदर्शन किया और कई बार पुलिस से कार्रवाई की मांग की। भाजपा के स्थानीय नेताओं द्वारा आरोपी का बचाव किए जाने से मामला राजनीतिक रंग ले चुका था।

रविवार को कांग्रेस के घेराव से पहले शनिवार रात में केस- कांग्रेस ने रविवार 27 जुलाई को थाने का घेराव करने की घोषणा कर रखी थी। इससे पहले शनिवार रात 10 बजे पुलिस ने नीरज शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। आरोपी पर शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को वितरित की निःशुल्क साईकिल

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये वचनबद्ध है। इसी उद्देश्य को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांदीपनी विद्यालयों की संख्या में लगातार वृद्धि की जा रही है। इन विद्यालयों ने न केवल प्रदेश में बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले के साईखेड़ा ब्लॉक के ग्राम बम्होरीकला में निश्शुल्क साईकिल वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के भी प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की इस कमी को भर्ती अभियान से पूरा किया जा रहा है।

मामला उजागर होने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

सरकारी स्कूलों की किताबें अब 70 नहीं 80 जीएसएम के कागज पर ही छपेंगी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को दी जाने वाली निःशुल्क पुस्तकों की गुणवत्ता को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने अहम निर्णय लिया है। अब सरकारी?स्कूलों में बांटी जाने वाली किताबें 70 जीएसएम के कागज की जगह 80 जीएसएम के कागज पर ही छपेंगी। इससे इन किताबों की गुणवत्ता में इजाफा होगा।?जानकारी के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 की किताबों की प्रिंटिंग के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई। विभागीय जानकारों की माने तो इस बदलाव का लाभ प्रदेश के लगभग एक करोड़ स्कूली बच्चों को मिलेगा।?

दरअसल, प्रदेश के सरकारी स्कूलों में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नि-शुल्क किताबें उपलब्ध कराई जाती है।?यह किताबें पहली से बारहवीं तक के बच्चों को दी जाती हैं। किताबों की छपाई का जिम्मा मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के पास है। पाठ्यपुस्तक निगम हर साल करीब साढ़े छह करोड़ किताबें छापता है। किताबों के लिए कागज खरीदी व छपाई करीब ढाई हजार करोड़ रुपए में होती है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, पहले पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रिंटिंग कराई गई किताबों में पहले लॉट में 80 जीएसएम के कागज पर किताबों की छपाई की। बाद में 80 जीएसएस का कागज बताकर उसे 70 जीएसएम कर दिया।

सचिव ने जारी किए निर्देश

मामला उजागर होने के बद बाद सचिव स्कूल शिक्षा ने पाठ्यपुस्तक निगम को स्पष्ट निर्देश दिए कि किताबें 80 जीएसएस के कागज पर ही प्रिंट होंगी। अब पाठ्यपुस्तक निगम ने किताबों की प्रिंटिंग के लिए कागज खरीदी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कागज खरीदी 80 जीएसएम पर की जा रही है।

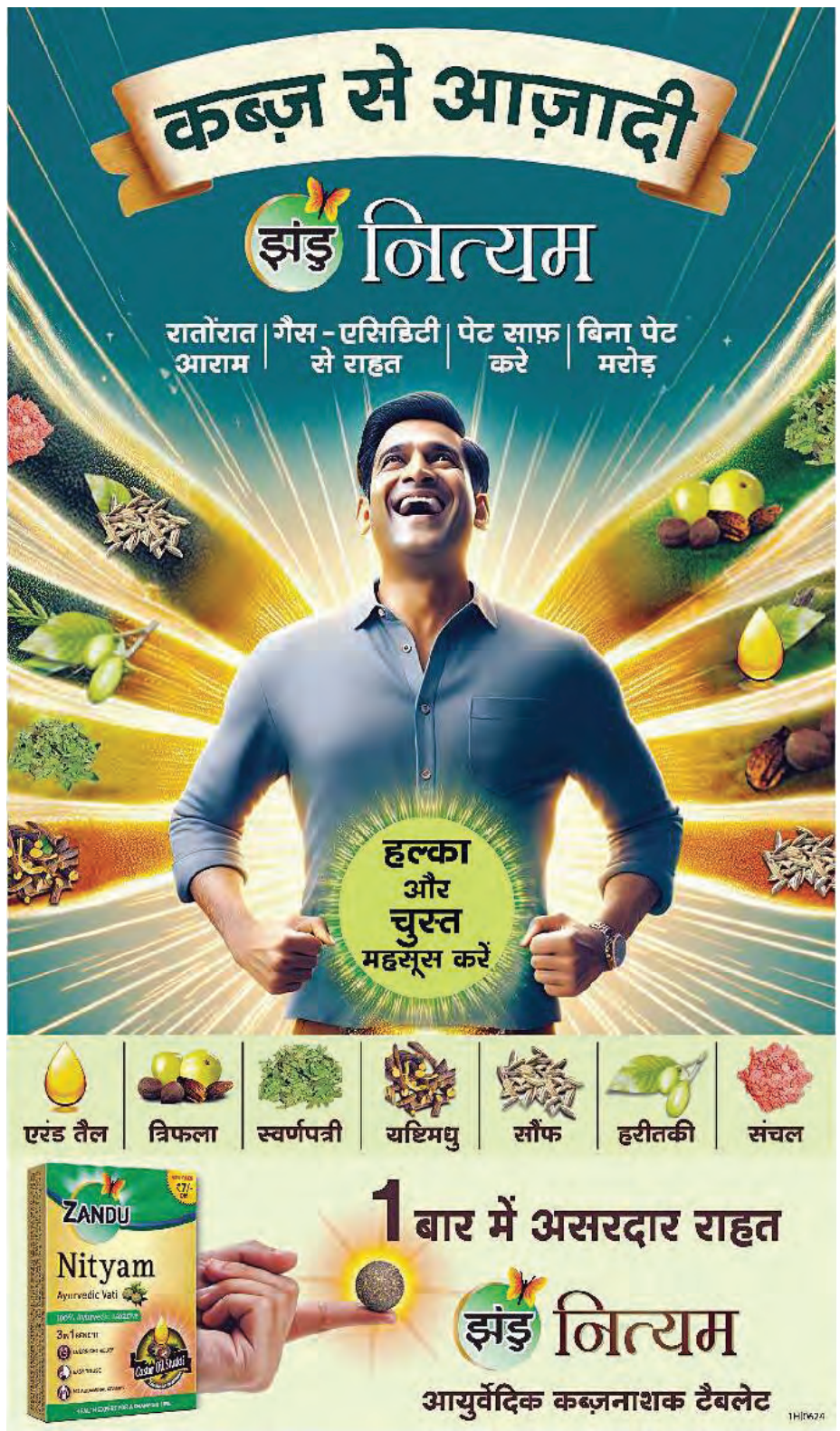

मेट्रो एंकर

केंद्रीय परियोजनाओं के लिए जमीन का टोटा

एसीएस ने अफसरों को फटकारा, हिदायत भी दी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल। प्रदेश में केंद्रीय परियोजनाओं के लिए जमीन का टोटा दूर नहीं हो रहा है। इसमें कई वन अफसर भी हिला-हवाली कर रहे है, जिन्हें वन विभाग के एसीएस अशोक बर्णवाल ने फटकार लगाई है। एसीएस ने टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टरों व सामान्य वन मंडलों के डीएफओ को दो टूक कह दिया है कि जिन परियोजनाओं में केंद्र द्वारा समय-सीमा तय की है, उसका पालन नहीं हो रहा है, इसकी वजह से विकास परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इस लेट-लतीफी के कारण राज्य व केंद्र को नुकसान हो रहा है। एसीएस ने हिदायत दी है कि परियोजनाओं के लिए स्वयं के स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई समय पर करें। एसीएस ने यह भी कहा कि जब भी बैठक होगी, उनसे यह बात पूछी जाएगी कि लंबित परियोजनाओं की प्रगति के लिए उन्होंने क्या कदम उठाएं।

एसीएस ने ये कहा

- » प्रत्येक सोमवार स्वयं के क्षेत्र में लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करें व स्वयं के स्तर से की जाने वाली कार्रवाई करें।
- » जिन प्रकरणों में परियोजना एजेंसियों से किसी प्रकार की कोई आवश्यकता है, उसे प्रत्येक मंगलवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में होने वाली टाइम लिमिट की बैठक में रखें।
- » मुख्य वन संरक्षक व वन संरक्षक प्रत्येक बुधवार को वीसी के जरिए अपने-अपने वृत्त के डीएफओ के साथ लंबित प्रकरणों की समीक्षा करें।

जल संसाधन की सबसे ज्यादा परियोजनाएं अटकी

असल में जल संसाधन, नेशनल हाईवे, स्टेट हाइवे और उद्योगों से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मध्यप्रदेश में जमीन का टोटा हो गया है। कुछ परियोजनाएं तो पूरी तरह वन क्षेत्रों में ही हैं तो कुछ का हिस्सा वन क्षेत्रों में फंस रहा है। जब तक इनके लिए जरुरी जमीन वन विभाग को राजस्व अर्थात अन्य विभाग से नहीं मिल जाती, तब तक वन विभाग अनुमति नहीं दे सकता। इसी चक्कर में परियोजनाएं अटकी हुई है। इनमें जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं की संख्या अधिक है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 27 जुलाई 2025 epaper.dopaharmetro.com

आत्मीय अहसासों से विहीन सामाजिकता के संकट

'मेलजोल विहीन भाईचारा' यह विशेषण हमारे समकालीन जीवन की दशा का वर्णन सबसे अच्छी तरह करता है, खासकर शहरी इलाकों में। आज हम जरूरत से ज्यादा भीड़-भाड़ भरे शहरों में, एक-दूसरे की बगल में खड़ी ऊंची-ऊंची इमारतों में, आपस में सटे अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं, कहने को पास-पड़ोस से भरपूर, किंतु मेल-जोल विहीन। कई अमेरिकी उपनगरों के विपरीत, जहां पर ज़्यादातर घर एक-दूसरे से थोड़े फासले पर बने होते हैं, हमारे यहां उपनगरों और विस्तारित शहरी इलाकों में आवासीय समूह हैं, जिनमें रिहायश अनिवार्य रूप से सटी हुई होती है। यदि ऊपर आसमान में दूसरे ग्रह के प्राणी मंडरा रहे हों, तो अवश्य ही वे इन जगहों की असाधारण सामाजिकता देखकर दंग रह जाएंगे!

■ गुरप्रीत महाजन

विडंबना यह है कि इस किस्म का सामाजिक अस्तित्व वास्तव में असामाजिक व्यवहार का चिन्ह है। हालांकि हम अक्सर यह मानकर चलते हैं कि एक जगह मिल-जुलकर रहने से चिंताएं साझा बनती हैं और दोस्ती, मिलनसारिता और आपसी देखभाल की भावना पैदा होती है, लेकिन हकीकत बिल्कुल विपरीत है। अधीरता, क्रोध, आक्रामक व्यवहार, हिंसक गाली-गलौज और कभी-कभी शारीरिक हमले तक, इस 'सामाजिक जगत' में बहुतायत में हैं। सड़क किनारे खाली जगह पर कार पार्क करने का मामला हो या पालतू जानवर सहित व्यक्ति को अगली लिफ्ट पकड़ने के लिए कहना या फिर गार्ड द्वारा गेट खोलने में थोड़ी-सी देरी हो जाने जैसे मामूली से मुद्दे भी बेहद आक्रामक प्रतिक्रियाएं पैदा कर देते हैं, जिसमें आगे दोस्त और परिवार के लोगों के शामिल होने से झगड़ा विकराल रूप ले लेता है। ऐसी घटनाएं स्थानीय समाचारों की आम खबर बनी रहती हैं।हम में से ज़्यादातर लोग, यहां तक कि वे लोग जो सक्रिय रूप से नौकरी या कारोबार नहीं कर रहे, वे भी कम अवधि के प्रवासों के अलावा, बसने के लिए दूर-दराज़, एकांत जगहों की तलाश नहीं करते; भले ही, दूसरे लोगों के साथ रहना एक तनाव साबित हो। जीन पॉल सात्रे के शब्द–'दूसरे लोग नर्क हैं', एक नई वास्तविकता को जन्म देते है, जहां पर एक मामूली-सा मतभेद तेज़ी से तूल पकड़ सकता है और इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया जा सकता है। इसके बाद अक्सर होता है, अपनी श्रेष्ठता को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से एक-दूसरे को पछाड़ने का खेल। यह हमारे वर्तमान अस्तित्व की परेशान कर देने वाली किंतु अपरिहार्य स्थिति बन गई है, और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा।

हिंसा का यह सामान्यीकरण आमतौर पर उस तनाव से जुड़ा होता है जो एक बेहद अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव वाली बाज़ार व्यवस्था में उच्च आकांक्षाओं को साकार करने के सपने के साथ संलग्न होकर आता है। निस्संदेह, हम में से अधिकांश लोग जिस वातावरण में काम करते और रहते हैं, वह तनावपूर्ण है, लेकिन यह तत्व वर्तमान वास्तविकता की व्याख्या को पर्याप्त रूप से या उसके सही अर्थ को नहीं पकड़ पाता। रोजाना जीवन में इस कदर निरंतरता से उभरने वाले घर्षण और संत्रास एक ऐसे स्वः के उद्भव को इंगित करते हैं जो एक साथ चिंता और आत्म-विश्वास से भरा है। वह जिसे, पुष्टि और मान्यता पाने की प्रबल इच्छा रहती है (जो अनिवार्य रूप से इसे दूसरों से मिलनी चाहिए), लेकिन उसका यकीन कहता है कि सत्य केवल उसके पास है। जहां पहली प्रवृत्ति उसको सामाजिकता की ओर लेकर जाती है, वहीं दूसरी वाली उसे अन्यों को, खासकर वे जो असहमत हों, त्याज्य बना देती है। इस रिश्ते में, केवल आत्म(स्वः) यानी मैं और मेरे साथ खड़े लोग ही मूल्यवान और विचार करने लायक हैं। दूसरों को स्पष्टीकरण देने की न तो कोई आवश्यकता है या न ही औचित्य। इसलिए इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि ऐसा व्यक्ति (स्वः) समूह बनाने और यहां तक कि उसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने में न केवल इच्छुक, बल्कि उत्साही भी होता है। यहां किसी के मन में विचार उठ सकता है कि एक असामाजिक स्वः, जिसके लिए दूसरे लोग बोझ हैं, वह तो अकेला खड़ा होना ज्यादा पसंद करेगा और सामूहिकता को असहनीय पाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है, और यह व्यवहार फिर से पुष्टि करता है कि मेलजोल विहीन भाईचारा किसी अलग-थलग व्यक्ति की अभिव्यक्ति नहीं है, वह जो समुदाय और अन्य पहचान-आधारित समारोहों में सांत्वना की तलाश करता फिरे। यदि जुड़ाव की इच्छा प्राथमिक प्रेरणा होती, तो समुदाय की सदस्यता एक सुखदायक मरहम का काम करती और यह आक्रामकता और हिंसक व्यवहार को कम कर देती। फिर से, ऐसा नहीं है। बल्कि, व्यक्ति और समूह, दोनों ही, समान प्रवृत्तियां दर्शा रहे हैं और उल्लेखनीय रूप से दोनों के व्यवहार के तरीकों में समानता है। दोनों को दूसरों की उपस्थिति अखरती रही है, यदि उससे समस्या न भी हो।कष्टप्रद वास्तविकता यह है कि मेलजोल विहीन भाईचारा हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, सार्वजनिक स्थानों पर रोजाना के सामाजिक संपर्क से लेकर सामुदायिक जीवन तक। सोशल मीडिया द्वारा प्रदान किया पटल भी इससे जुदा नहीं है। यहां भी व्यक्ति दूसरों की तलाश करता है; अक्सर अनजान लोगों से ज़्यादा से ज्यादा 'लाइक' पाने की होड़ में रहता है; ज़्यादा पहचान पाने की इस बेचैनी में जीता है, आत्मविश्वास से तो लबरेज़ रहता है किंतु आत्म-संदेह के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। यह कहने को एक सामाजिकता बनाता है, लेकिन संवाद अक्सर असामाजिक रूप ले लेते हैं। क्या इस किस्म की विरोधाभासी प्रवृत्तियां आधुनिक दुनिया में सिज़ोफ्रेनिया (मतिभ्रम) का एक और प्रकटीकरण है, जिससे बचा नहीं जा सकता- कुछ-कुछ वैसा, जिसका ज़िक्र फ्रांसीसी दार्शनिक गाइल्स डेल्यूज़े और पियरे-फ़ेलिक्स गुआट्टरी ने एक अलग संदर्भ में किया है? क्या वैश्वीकरण और नव-उदारवाद के युग में हम इसके साथ जीने को अभिशप्त हैं? आधुनिक जीवन के उतार-चढ़ावों - इसका मतलब आधारित नैतिकता, सत्ता, नियंत्रण और प्रभुत्व बनाने की अंतहीन लालसा, दूसरों से आगे रहने का अनंत संघर्ष - का सामना करते हुए, कई प्राचीन सभ्यताओं, जिनमें प्राचीन भारतीय सभ्यता भी शामिल है, का रुख किया ताकि इनमें निहित वैकल्पिक, गैर-मतलब आधारित नैतिकता से प्रेरणा प्राप्त कर उबरा जा सके। क्या हमें भी उस सभ्यतागत मूल की ओर मुड़ना चाहिए? क्या आशा वहीं है?

शायद हमारे लिए ज़्यादा प्रासंगिक सवाल यह है - क्या हम स्वः को नया रूप देने के लिए तैयार हैं? क्या हम शक्ति, प्रभुत्व, बेमानी होड़ की भाषा को त्यागने को तैयार हैं- वह तत्व जो कि समकालिक आधुनिक स्वः की पहचान हैं। भारतीय परंपरा में, क्रोध, लोभ और सत्ता की लालसा को कम करने के लिए आत्म-संयम, आत्म-अनुशासन, अपनी सीमाओं के प्रति जागरूकता और सत्य की निरंतर खोज के मार्ग पर ज़ोर दिया है। उन्हें खुद से असहमति रखने वालों की बातों को गंभीरता से लेने, उनसे राब्ता रखने और उन्हें मनाने के लिए प्रेरित करता है। क्या हम उस मार्ग पर फिर से चलने और इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए तैयार हैं? स्वःज्ञान का विकास पूर्वजों के लिए केंद्रीय था : यह हमारी सभ्यता का मूल था। इसके अभाव में, मेलजोल विहीन भाईचारे वाली दुनिया में हमारे फंसे रहने की संभावना अधिक है।

(साभार: लेखिका जेएनयू राजनीति शास्त्र की प्रोफेसर रही हैं।

इतिहास कोई कहानी या मिथक नहीं, जिसे मनचाहा बदल लें

■ भूपेन्द्र गुप्ता

इतिहास केवल अतीत नहीं है, यह वर्तमान की नींव और भविष्य का मार्गदर्शक है। गलत या विकृत इतिहास हमें गलत सबक सिखाता है और भविष्य के लिए गलत नीतियां बनाने की ओर धकेलता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आलोचनात्मक सोच और अतीत से सीखने की क्षमता आवश्यक है। यदि नागरिकों को विकृत इतिहास पढ़ाया जाएगा, तो वे अपने राष्ट्र और समाज की चुनौतियों को ठीक से समझ नहीं पाएंगे। इतिहास तथ्यों, साक्ष्यों और अकादमिक शोध पर आधारित एक अनुशासन है, न कि सत्ताधारी दल की राजनीतिक या इच्छाओं को पूरा करने का साधन। इतिहास से छेड़छाड़ करना न केवल अतीत के साथ अन्याय है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी हानिकारक है। सरकार द्वारा एनसीईआरटी द्वारा पाठ्य पुस्तकों में इतिहास नवलेखन के नाम पर जो बदलाव किये जा रहे हैं उससे कई प्रश्न उभरते हैं।

इतिहास, जैसा कि नाम से स्पष्ट है, 'इति-ह-आस' अर्थात 'ऐसा ही हुआ था'। यह साक्ष्यों, दस्तावेज़ों, पुरातात्विक खोजों, समकालीन अभिलेखों और बहुआयामी शोध पर आधारित होता है। यह कोई कहानी या मिथक नहीं है जिसे मनचाहा बदला जा सके। जब सरकार इतिहास को अपनी राजनीतिक सुविधा के लिए बदलती है, तो वह इसके सत्य को ही नष्ट कर देती है। यह अकादमिक स्वतंत्रता पर हमला है। किसी विशेष घटना के उल्लेख को हटाना या उसे बिना विश्वसनीय साक्ष्य के तोड़-मरोड़ कर पेश करना लोकतंत्र और नागरिकता के लिए खतरा भी बन सकता है।सामुदायिक इतिहास से छेडछाड़ व्यापक सामाजिक संतुलन को प्रभावित करता है।

इतिहास से छेड़छाड़ करके सरकारें एक 'कथित' राष्ट्रीय गौरव का निर्माण करना चाहती हैं, तो इसे सच्चाई पर आधारित होना चाहिए । क्योंकि विकृत इतिहास नागरिकों को सोचने, सवाल पूछने और वर्तमान के मुद्दों को ऐतिहासिक संदर्भ में देखने से रोकता है। पाठ्यपुस्तकों से कुछ अध्यायों को हटाना या उन्हें पूरी तरह से बदल देना जो किसी सत्ताधारी विचारधारा के अनुरूप न हों जैसे प्रयास सामाजिक स्थैर्य को हानि पहुंचाते है।

हम अपनी गलतियों से तभी सीखते हैं जब हम उन्हें स्वीकार करते हैं। इतिहास को 'साफ' करके या 'नायक-पूजा' करके हम अपनी कमजोरियों और गलतियों को पहचानने का मौका खो देते हैं।हर युग में हर समाज में नायक और खलनायक हो सकते हैं। किसी शासनकाल की केवल उपलब्धियों को दिखाना और उसकी विफलताओं या क्रूरताओं को छुपाना इतिहास लेखन नहीं है।

सामाजिक समरसता पर नकारात्मक प्रभाव

अक्सर इतिहास से छेड़छाड़ का उद्देश्य कुछ समुदायों या विचारधाराओं को महिमामंडित करना और दूसरों को नीचा दिखाना होता है। यह समाज में विभाजन और वैमनस्य को बढ़ावा देता है।सच्चा इतिहास सभी आवाज़ों, दृष्टिकोणों और अनुभवों को समाहित करता है। वह विविधता को स्वीकारता है। इतिहास वैश्विक ज्ञान का हिस्सा है। अन्य देशों के विद्वान और नागरिक इस छेड़छाड़ को आसानी से पहचान लेते हैं, जिससे देश की छवि खराब होती है।जब कोई देश अपने इतिहास से छेड़छाड़ करता है, तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसकी अकादमिक और बौद्धिक विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं।

तर्क दिया जा सकता है कि 'इतिहास को 'सुधारा' जा रहा है' किंतु 'इतिहास को 'सुधारने' और 'छेड़छाड़' करने में फर्क है। अकादमिक इतिहास में नई खोजों, साक्ष्यों और गहन शोध के आधार पर लगातार नए दृष्टिकोण आते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। लेकिन सरकार द्वारा बिना किसी नए अकादमिक साक्ष्य के, केवल राजनीतिक एजेंडे के तहत बदलाव करना छेड़छाड़ है। क्या ये 'सुधार' किसी स्वतंत्र इतिहासकार की कमेटी ने सुझाए हैं, या सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति से हो रहे हैं?' यह पाठ्यक्रम में बदलाव करते समय सुनिश्चित होना चाहिए। यह भी कहा जाता है कि 'राष्ट्र गौरव' बढ़ाने के लिए यह किया जा रहा है। लेकिन 'सच्चा राष्ट्र गौरव अतीत की सच्चाइयों का सामना करने से आता है, चाहे वे कितनी भी कड़वी क्यों न हों। केवल मनगढ़ंत या चुनिंदा इतिहास से निर्मित 'गौरव' खोखला होता है और यह कभी भी एक मजबूत राष्ट्र की नींव नहीं बन सकता। क्या हम अपनी कमियों और गलतियों से सीखे बिना सच में आगे बढ़ सकते हैं?'

यह भी कहा जा रहा हैं कि ऐतिहासिक तथ्य पश्चिमी या औपनिवेशिक दृष्टिकोण से लिखे गए थे, उन्हें बदलना ज़रूरी है। 'निश्चित रूप से, औपनिवेशिक इतिहास में पूर्वाग्रह थे, और उनका अकादमिक रूप से विश्लेषण और आलोचना होनी चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम एक पूर्वाग्रह को दूसरे पूर्वाग्रह से बदल दें। हमें नए, भारतीय दृष्टिकोण से इतिहास लिखना चाहिए जो तथ्यों पर आधारित हो, न कि प्रतिक्रिया या निजी विचार पर।' अगर 'अप्रकाशित नायकों और घटनाओं को सामने लाया जा रहा है।' तो 'यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन 'सामने लाने' और 'बाकियों को मिटाने' में अंतर है। नए नायकों को जोड़ना चाहिए, उनकी कहानियों को पढ़ाना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम स्थापित और स्वीकृत इतिहास को मिटा दें ।

उदाहरण के लिये हाल ही में इतिहास से 'छेड़छाड़' के आरोप इसलिये लगे हैं क्योंकि गांधी जी की हत्या में हत्यारे नाथूराम गोडसे की जगह लिखा गया है कि एक युवा ने गांधी जी की हत्या कर दी।क्या यह इतिहास लेखन है? पूरी दुनिया इस तथ्य को जानती है,वह किताब से हटाओगे तो गूगल बता देगा । इसी तरह बिरसा मुंडा इतिहास के नायक हैं उन्होंने अंग्रेजों और हिंदु लैंडलार्डस की ज्यादतियों के विरुद्ध संघर्ष किया था इसमें से हिंदु शब्द हटा दिया गया है। अब यह सिद्ध हो चुका है कि आर्य भी ईरान से 1500 बीसी के पहले भारत आये थे उन्हें भारत का ही बताना तथ्यों को नकारना है तो इसके तार्किक कारण बताये जाने चाहिये।

सच्चा इतिहास तो साक्ष्य-आधारित होता है। इतिहास से छेड़छाड़ भावी पीढ़ियों के साथ धोखा है। यह उन्हें अपनी जड़ों और सच्चाई से दूर करता है। एक राष्ट्र जो अपने इतिहास का सम्मान नहीं करता, वह अपने भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। पाठ्यपुस्तकों का निर्माण अकादमिक पारदर्शिता से होना चाहिए। सच्चा राष्ट्र तभी बनता है जब वह अपने पूरे इतिहास को, उसकी अच्छाइयों और बुराइयों सहित, स्वीकार करे और उससे सीखे। इतिहास को राजनीतिक हथियार बनाना, देश के भविष्य से खिलवाड़ है।'

(साभार: लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं यह उनके विचार हैं)

पुस्तक समीक्षा : असमय का अंधेरा

जो छूटा उसमें वह रास्ता भी रहा, जो तुम तक जाता था...

■ आशीष दुबे

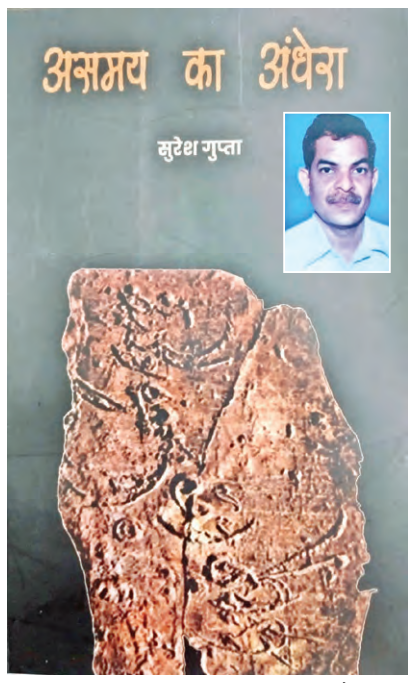

निदा फाजली ने लिखा है- हर आदमी में होते हैं दस-बीस आदमी, जिसको भी देखना हो, गौर से देखना..। वाकई, जिंदगी में अक्सर ऐसा ही होता है कि सामने आदमी नजर कुछ आता है और होता वह कुछ और ही है। यानी हर आदमी के भीतर कई किरदार और मंजर एक साथ सफर करते हैं। यह बात सुरेश गुप्ता पर भी लागू होती है। करीब चालीस साल तक सरकारी अफसरी के बाद अब उनके भीतर से नया किरदार बाहर आ रहा है, एक कवि का। हालांकि पहले भी उनके शासकीय कार्य के दौरान उनकी कविता,व्यंग्य आदि पढ़ने-सुनने में आते रहे हैं लेकिन अब उनका एक मुकम्मल कविता संग्रह सामने है। अपने जीवन में कभी व्यग्र, कभी एकदम शांत, कभी उत्सुकता लिए तो कभी मजाकिया सुरेश गुप्ता का कविता संग्रह 'असमय का अंधेरा' बेहद छोटी-छोटी कविता में भी बड़ी बातें कहता है। इन कविताओं में जीवन के गहरे अर्थ हैं, अनुभूतियां हैं और तलाश भी है। इस किताब की पहली ही कविता में वे लिखते हैं- अंधेरे से किसी को भला क्या एतराज हो सकता है..रात लिखी ही है अंधेरे के नाम, जैसे सुबह-दोपहर और शाम दिन के नाम..। इन सख्त अहसासों के बीच सुरेश गुप्ता का नाजुक खयाल भी उभरता है- 'कुछ पा लिया, कुछ छूट गया, जो छूटा उसमें वह रास्ता भी रहा,जो तुम तक जाता था।'

अपने कविता संग्रह में सुरेश गुप्ता ने कविताओं को तुकबंदी से जोड़ने का प्रयास नहीं किया बल्कि भावों को बहने दिया है और इसलिए यह संग्रह भावों की रिद्म के रूप में निर्बाध बहता है। कविता संग्रह में वे उन चेहरों के लिये तो चिंतित नजर आते हैं जो उनसे कभी मिले और बिछड़े थे लेकिन उन चेहरों के प्रति भी उनकी बेचैनी या फिक्र झलकती है जो उनके आसपास थे। गुप्ता ने अपने मित्र मनोज पाठक के बारे में कविता में कहा है- *उसकी बात ही कुछ और थी, साथ था तो हरदम अपने साथ होने की दिलाता था याद, और अब जब नहीं है वो, तो भी अपने नहीं होने की हरदम दिलाता है याद।* शायद इसी दोस्त की त्रासदी से उन्होने एक कविता रची है, कोरोना। इसमें वे लिखते हैं- पता नहीं,शायद किसी को भी, हमने एक युध्द देखा, जिसमें अस्त्र शस्त्र नहीं थे, न था खून... थी तो बस मौत अदृश्य शत्रु के हाथों, जो हमें मार रहा था बेआवाज। कवि-पत्रकार मित्र महेंद्र गगन के बारे में भी गुप्ता ने लिखा है 'मेरे लिए महेंद्र का होना कविता का होना था..।

जैसा कि, आजकल हर व्यक्ति के भीतर अपनी संतान की फिक्र है, क्योंकि बदलती व लैपटॉप, मोबाइल वाली मशीनी दुनिया में संतान उन सरोकारों व मिट्टी से कटी है, जो हम सबके भीतर गहरे पैबस्त है। इसी भाव पर सुरेश गुप्ता भी लिखते हैं- मनु, तुमने पोस्टमेन नहीं देखा,दुख-सुख बांटना-बांचना भी, जरूरत होने पर लिखना भी..।' वैसे अपने शासकीय जीवन में कुछ मर्तबा सख्त मिजाजी ओढ़कर अनायास कुछ लोगों को डरा देने वाले सुरेश गुप्ता के भीतर अपने पिता का डर नमांया होता है, जब वे इस संग्रह की एक लंबी कविता में लिखते हैं- 'पिता की कुर्सी से बहुत डर लगता था मुझे, उनके रहते और उनके बाद भी कभी नहीं बैठ पाया मैं..। अब जब मां भी नहीं रहीं तो पिता की कुर्सी बेटे के कमरे में रखकर निश्चिंत हो गया हूं मैं, अब बेटा ठीक मेरी तरह मेरे पिता की निगहबानी में है।'

बहरहाल, अपने मिजाज से अब तक चलते रहे इस कवि ने अपनी किताब के अंत में जो कविता लिखी है, वह उनकी जिद,जज्बा और इरादा जाहिर करती है- *'कोई कुछ भी मानें मैं, मैं हूं और रहूंगा, बगैर यह जाने कि कैसे और कहां रहूंगा।'*

नागद्वारी मेला: सतपुड़ा की पहाड़ियों के दुर्गम रास्ते और शिव के जयकारे

नर्मदापुरम. श्रावण मास में पचमढ़ी क्षेत्र में आयोजित नागद्वारी मेला भक्तों की आस्था, भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम बन गया है। सतपुड़ा की वादियों में स्थित पवित्र नागद्वारी गुफा मंदिर की ओर बढ़ती श्रद्धालुओं की टोलियां भगवान भोलेनाथ के जयकारों और ढोल-नगाड़ों की धुन से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना रही हैं।

स्कूल के नए भवन की इमारत लगभग तैयार लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं

सीएम राइज सांदीपनि स्कूल का ऐसा हाल, जर्जर भवन और खतरे में नौनिहाल

अमित श्रीवास्तव। ओबेदुल्लागंज

एक ओर जहां मध्यप्रदेश सरकार स्कूल शिक्षा और संसाधनों में उत्कृष्टता लाने के प्रयास कर रही है वहीं रायसेन जिले के ओबेदुल्लागंज में यह तस्वीर उलट दिखाई देती है, जहां सीएम राइज या सांदीपनि विद्यालय के प्राइमरी और मिडिल स्कूल के बच्चे जान जोखिम में डाल कर पढ़ने को मजबूर हैं। हालांकि मिडिल स्कूल और प्राइमरी दोनों ही सीएम राइज स्कूल का ही पार्ट हैं लेकिन इन्हें करोड़ों की लागत से बने नए भवन के पीछे पुरानी जर्जर बिल्डिंग में संचालित किया जा रहा है जिसकी छतें ओर दीवारें जर्जर हो चुकी हैं और चारों तरफ कीचड़ और पानी के चलते बच्चों का आना-जाना भी मुश्किल काम है।

बच्चे शौचालय हेतु शाला के बाहर जाने को विवश हैं। पिछले दिनों भोपाल में जर्जर भवन की छत गिरने जैसी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए स्थानीय स्कूल की स्थिति को गंभीरता से जांचा तो स्थिति चिंताजनक मिली। जर्जर भवन में 400 बच्चों के बैठने के इंतजाम नहीं हैं, गलियारों में बैठे बच्चे हर समय किसी दुर्घटना की आशंका से घिरे हुए हैं। जबकि सीएम राइज स्कूल के नए भवन की इमारत लगभग तैयार है तो वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में उपयोग करने में क्या दिक्कत है। हालांकि इस सवाल पर सीएम राइज स्कूल के शिक्षक और प्राचार्य दुल-मुल जवाब देते नजर आए। सक्षम अधिकारी स्थानीय प्रशासन ने त्वरित निरीक्षण करा कर समस्या को हल करने का आश्वासन दिया है।

... तो इन्हीं परिस्थितियों में जारी रहेगा स्कूल

ठेकेदार ने आठ दिन में नए भवन के दो ब्लॉक देने का कहा है फिलहाल तो इन्हीं परिस्थितियों में ही स्कूल जारी रहेगा।

चंद्रावती अतुलकर,
प्राचार्य सीएम राइज स्कूल
औबेदुल्लागंज

आज बात संज्ञान में आई है, गंभीरता को देखते हुए तुरंत निरीक्षण करा कर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

नीलेश सरवटे,
नायब तहसीलदार ओबेदुल्लागंज

समय पर खाद देने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

खाद की किल्लत, केंद्रों पर लग रही किसानों की भीड़

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले में खाद वितरण केंद्रों पर किसानों को खाद मिलने में हो रही असुविधा पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने संज्ञान लिया है। इसको लेकर उन्होंने कृषि अधिकारी और खाद वितरण केंद्र के अधिकारियों से जानकारी ली है। जिसके बाद उन्होंने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए हैं, कि किसानों को खाद्य वितरण में किसी भी तरह की कोई असुविधा न हो।किसानों को आसानी से खाद मिल सके । इसके इंतजाम किए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने खाद वितरण केंद्र बढ़ाए जाने की बात भी कही है।

बता दें कि गुना जिले में इन दिनों किसानों को खाद वितरण किया जा रहा है ।जिसके बाद आरोन ,बीनागंज के खाद केंद्रों पर किसानों की भारी भीड़ और असुविधा की शिकायत कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के पास भी पहुंची।जिसके बाद शनिवार को किसानों के हित में खाद वितरण प्रणाली को अधिक सुदृढ़ और सुचारू बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने समीक्षा बैठक रखी। बैठक में यूरिया खाद की उपलब्धता, वितरण प्रक्रिया एवं उससे संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर कन्याल ने बताया कि किसानों को समय पर तथा सुगमता से यूरिया खाद उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि यूरिया का वितरण प्रारंभ किया जाएगा।

गुना कलेक्टर के नाम की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी करने वाला पकड़ा

आरोपी को राजस्थान से किया गिरफ्तार

गुना। दोपहर मेट्रो

एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर पुलिस जिले में धोखाधडी एवं अन्य प्रकार के अपराधों पर शिकंजा कसते हुए कार्यवाही कर रही है। इसी के चलते कैंट थाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार किया है, जिसने गुना कलेक्टर के नाम से फर्जी आईडी बनाकर एक वकील को ठगी का शिकार बनाया था।

कैंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव ने बताया कि गुना में ठगी के एक मामले का सक्रियता से खुलासा किया है, जिसमें अज्ञात आरोपी ने गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर एक स्थानीय व्यक्ति को शातिर तरीके से ठगी का शिकार बनाया

था। बता दें कि फरियादी डॉ. पुष्पराग शर्मा निवासी हरिया कॉलोनी कैंट ने गुना एसपी अंकित सोनी को अपने साथ हुई धोखाधडी का एक शिकायती आवदेन प्रस्तुत किया था। जिसमें बताया था कि चार जून की रात में गुना कलेक्टर की कथित फेसबुक आईडी के मेसेंजर से उसकी फेसबुक आईडी पर एक मैसेज आया कि मेरा एक दोस्त सीआरपीएफ शिवपुरी में पदस्थ है, जो आपसे बात करेगा और आप उसकी मदद कर देना । इसके बाद फरियादी द्वारा अपना मोबाइल नंबर शेयर किया गया । इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के जरिए सीआरपीएफ अधिकारी ने बताया कि उसका ट्रांसफर होने के कारण वह अपना घर का फर्नीचर व अन्य इलेक्ट्रोनिक सामान बेच रहा है और उनके बीच 80 हजार रुपये में सौदा तय हुआ तथा ट्रांसपोर्टेशन चार्ज के नाम पर उससे 20 हजार रुपये एडवांस में ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए गए । अगले दिन और 5 हजार रुपये मांगने पर उसे कुछ संदेह हुआ और उसने स्वयं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल से संपर्क किया, जहाँ वास्तविकता सामने आई कि ये पूरी तरह से फर्जीवाड़ा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंकित सोनी ने प्रकरण में तत्परता से जांच के निर्देश दिए। वहीं पुलिस टीम ने अपराध दर्ज कर आरोपी अजहरुद्दीन मेवाती उम्र 22 वर्ष निवासी जिला भिवाड़ी राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है।

बस एक कदम और अभियान में केंद्रीय मंत्री ने भी लगाया पौधा

रायसेन। जिला विकास समिति द्वारा शहर को हरा भरा बनाने के लिए कदंब के पेड़ लगाने के अभियान में शामिल हुए केंद्रीय कृषि मंत्री एवं स्थानीय सांसद शिवराजसिंह चौहान ने साँची रोड पर कॉन्वेंट स्कूल के सामने कदंब के पोधे का रोपण किया एवं इस अभियान में लगी विकास समिति के प्रयासों की सराहना की । इस अवसर पर साँची विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं रामपालसिंह राजपूत भी उपस्थित रहे ।

महिलाओं ने निकाली कांवड़ यात्रा

नर्मदापुरम. वर्मा कॉलोनी ग्वालटोली की महिलाओं ने शनिवार को कांवड़ यात्रा निकाली। कॉलोनी में एकत्र सभी महिलाएं कांवड़ लेकर नर्मदा घाट की ओर रवाना हुईं। नर्मदा जी का पवित्र जल भरकर महिलाओं ने कॉलोनी स्थित महादेव के मंदिर पर नर्मदा जल से शिव अभिषेक किया।

आत्मा का परमात्मा में मिलना ही मोक्ष है - आचार्य अविनाश

नर्मदापुरम. तवानगर में चल रही है श्रीमद भागवत कथा के षष्ठम दिवस में बिलासपुर से पहुंचे युवा कथा वाचक आचार्य अविनाश तिवारी ने रास पंचाध्याई के माध्यम से श्रोताओं को बताया कि परमात्मा ने गोपियों के संग रास इसलिए रचाया कि गोपी रूपी जीवात्मा का परमात्मा में मिलन हो जाए। रास के माध्यम से परमात्मा ने काम को परास्त कर यहां शिक्षा दी कि परमात्मा के भक्तों को काम अपने वशीभूत नहीं कर सकता। अंत में कृष्ण रुक्मणि विवाह की कथा सुनाई।

मूंग उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर ली जानकारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के मूंग उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किसान कल्याण तथा कृषि विकास, मध्य प्रदेश के संचालक अजय गुप्ता द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने रघुवीर वेयरहाउस डोलरिया, कलवानी वेयरहाउस धरमकुन्डी, शंकर वेयरहाउस खुटवासा में उपस्थित किसानो से चर्चा की और मूंग उपार्जन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कृषकों को सलाह दी कि वे मूंग की ग्रेडिंग (छँटाई) करके ही उपार्जन केंद्र पर लाएं, जिससे उपज की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, सभी कृषकों को समय पर अपनी मूंग की तुलाई करवाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया, ताकि उपार्जन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान जे.आर. हेड़ाऊ उपसंचालक कृषि, शिवम मिश्रा उप पंजीयक सहकारिता, जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड देवेन्द्र यादव, जिला प्रबंधक वासुदेव दवंडे, सुश्री जयश्री देशमुख वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। गुप्ता ने वेयरहाउस पर मूंग उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की सुविधा और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपार्जन नीति अनुरूप कार्य किया जाएं।

दो बोट और 26 जवान लगातार चला रहे रेस्क्यू ऑपरेशन

नदी में गिरी महिला का नहीं लगा सुराग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बेतवा पुल से फिसलकर नदी में गिरी महिला का 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ टीम लगातार लापता महिला की तलाश में जुटी है। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। ज्ञात हो कि ग्राम मुटर्रा निवासी राजकुमारी दांगी पत्नी स्वर्गीय जसवंत सिंह दांगी उम्र 45 वर्ष को गंज वाले पुल के पास बेतवा नदी में भगवान शंकर जी की प्रतिमा के विसर्जन के दौरान अचानक फिसलकर नदी में गिर गईं। घटना के बाद एक युवक द्वारा नदी में कूदकर बचाने का प्रयास भी किया था लेकिन वहां तक पहुंच नहीं पाया क्यों कि नदी में तेज बहाव के कारण महिला बहती चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट मयंक जैन ने बताया कि लापता महिला की तलाश कार्य होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के संयुक्त बल द्वारा

नदी क्षेत्र में संसाधनों की मदद से सघन खोजबीन अभियान चलाया जा रहा है। खोज एवं बचाव कार्य के लिए 26 जवान मौके पर तैनात किए गए हैं जो आधुनिक संसाधन की मदद से सर्चिंग कर रहे हैं। जिसमें ड्रोन कैमरे की भी मदद ली जा रही है। बासौदा एवं कुरवाई की पृथक-पृथक टीम के सदस्यों द्वारा सर्चिंग कार्य युद्ध गति से संचालित किया जा रहा है। बासौदा टीम में 2 नाव (बोट) 16 जवान (होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ) के तथा कुरवाई से एक नाव (बोट) 10 जवान होमगार्ड और प्रशिक्षित आपदा मित्रों की टीम भी सहयोग कर रही है।

मेट्रो एंकर | गुलाबों के शहर के नाम से पहचान बनाने की और अग्रसर है गुना, चार दिनी प्रशिक्षण से बढ़ी उम्मीदें

इजराइली तकनीक से बढ़ेगा पॉलीहाउस गुलाब उत्पादन

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना के जिस पॉलीहाउस से गुलाब के उत्पादन की सीएम डॉ. मोहन यादव ने अपने गुना प्रवास पर तारीफ की थी, उसी पॉलीहाउस गुलाब उत्पादन को अब इजराइल की तकनीक से और उन्नत बनाया जायेगा। बता दें कि गुना अब गुलाबों के शहर के नाम से पहचान बनाने की और अग्रसर है।

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की पहल पर यहां गुलाब उत्पादन की खेती को बढ़ावा मिला है। इसी के चलते राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं इजरायली तकनीकी सहयोग एजेंसी के तत्वावधान

में थल्ली होसूर तमिलनाडु स्थित इंडो-इजराइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर कट फ्लॉवर्स में 21 से 24 जुलाई तक पॉलीहाउस में कट फ्लावर उत्पादन विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में गुना जिले से उपसंचालक उद्यानिकी के.पी.एस. किरार ने सहभागिता की एवं संरक्षित पुष्प उत्पादन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।इस प्रशिक्षण को लेकर उपसंचालक उद्यानिकी किरार ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रमुख बिंदु जिनमें पॉलीहाउस निर्माण में प्रयुक्त उन्नत सामग्री व संरचना का अवलोकन किया गया। जिसमें गुलाब, जरबेरा, डेंड्रोबियम ऑर्किड आदि फूलों की वैज्ञानिक खेती के साथ कलर शिमला मिर्च की हाई-इनकम खेती की जानकारी दी गई, जिससे 50 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर संभावित आमदनी हो सकती है। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स व फर्टिगेशन का स्मार्ट उपयोग कोल्ड सप्लाई चेन, पैक हाउस व रेफ्रिजरेटेड वेन की प्रक्रिया, इरीगेशन एवं फर्टिगेशन ऑटोमेशन के लाइव डेमो के साथ नेचुरल ऑफसेट फार्मिंग जैसे टिकाऊ मॉडल की जानकारी दी गई।

फ्लोरीकल्चर में नवाचार अपनाने के लिए करेगा प्रेरित

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने पॉलीहाउसों का प्रत्यक्ष भ्रमण कर व्यवसायिक मॉडल व तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण में देशभर से आए अधिकारियों से अनुभव साझा करने व इजराइली तकनीकों की भारतीय कृषि में उपयोगिता समझने का अवसर मिला। यह अनुभव गुना के कृषकों को पॉलीहाउस गुलाब उत्पादन व फ्लोरीकल्चर में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करेगा ।

बाजार में मुनादी कराने और कार्रवाई करने के दिए निर्देश

दतिया। शहर भ्रमण पर निकले कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े और एसपी सूरज कुमार वर्मा ने पीताम्बरा पीठ के पास सड़क पर सामान रखने वालों को हटवाकर रोड खाली कराया। साथ ही ज्योति स्नान महोत्सव के जुलूस मार्ग को देखा और किला चौक से पटवा तिराहा, टाउन हाल, गांधी रोड, बड़ा बाजार से लेकर भैरव मन्दिर तक भ्रमण किया। उन्होंने नपा को आवारा मवेशियों को सड़क से हटाने के निर्देश दिए। साइड में जा रही रेत से भरा ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त की। इस दौरान बाजार में मुनादी कराने और चालान काटने के दिये निर्देश। भ्रमण के दौरान एसडीएम संतोष तिवारी, सयुंक्त कलेक्टर ऋषि सिंघई, सीएमओ नागेंद्र सिंह गुर्जर समेत अन्य अफसर शामिल रहे ।

दर्दनाक : खुरई में एक परिवार के चार सदस्यों की आत्महत्या से पूरा क्षेत्र है स्तब्ध

सुसाइड नोट में लिखा- अलमारी में रखे रुपए हमारी तेरहवीं पर खर्च कर देना

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के खुरई में परिवार के चार सदस्यों द्वारा की गई आत्महत्या से पूरा शहर स्तब्ध है। घटना के दूसरे दिन तक भी पुलिस इस नतीजे पर नहीं पहुँच सकी है कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया। हालाँकि जो सुसाइड नोट मिला हैं उसमें संपत्ति से जुड़ा मामला दिखाई दे रहा है। खास बात यह है कि इस नोट में मरने वालों ने उनकी तेरहवीं में खर्च होने वाली राशि तक का जिक्र किया है। गौरतलब है कि खुरई के ग्राम टीहर में देर रात एक ही परिवार के चार सदस्यों ने घर में आत्महत्या कर ली थी। पुलिस सामूहिक आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

आबादी से दूर खेत में बने एक मकान में मनोहर पिता निर्भय लोधी (49), उसकी मां फूलरानी लोधी (70) बेटी शिवानी (18) और बेटे अनिकेत (16) की जहर खाने से मौत हो गई। मकान से जो सुसाइड नोट मिला उसमें परिवार के लोगों के बीच जमीन, नगदी व जेवरों के बटवारे का हिसाब लिखा है। चर्चा है कि मनोहर का उसकी पत्नी द्रोपदी से विवाद चल रहा था। बच्चे भी अपनी मां को पसंद नहीं करते थे। इसी विवाद को लेकर गुरुवार को द्रोपदी अपने मायके देवरी थाना के जैतपुर गांव चली गई थी। परिजनों ने बताया कि शिवानी ने कक्षा 12वीं करके कालेज में एडमिशन लिया था जबकि अनिकेत 0वीं में आ गया था। मृतक के भाई नंदराम लोधी ने बताया कि रात 12 बजे उसके पास फोन आया कि उसके भाई मनोहर और उसका परिवार बहुत ज्यादा उल्टियां कर रहे हैं। वहां जाकर देखा कि उसकी मां फूलरानी और मनोहर का बेटा अनिकेत मृत पड़े हैं। जबकि मनोहर और उसकी बेटी शिवानी तड़प रहे हैं। दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां शिवानी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि इलाज के लिये सागर ले जाते समय मनोहर की रास्ते में मौत हो गई।

मनोहर लोधी

मनोहर की मां फूलरानी

बेटा अनिकेत

बेटी शिवानी

सुसाइड नोट में तेरहवीं तक का हिसाब

पुलिस को जो नोट मिला है उससे ऐसा प्रतीत होता है कि उसे अनिकेत ने लिखा है। उसमें कहा गया है कि हम लोगों के मरने के बाद जमीन जायदाद पर मां यानी द्रौपदी लोधी का कोई हक नहीं रहेगा। घर में जो भी पैसे चल-अचल संपत्ति है, वह बुआ, चाचा और बड़े पापा को बांट दी जाएं। जैसे कि 3 भैंस में से एक एक बुआ व चाचा को दी जाए। उनकी पड़ियें (भैंस की बछिया) बड़े पापा को दी जाएं। पापा (मनोहर) के फोन- पे एकाउंट में 68 हजार रु. हैं। जिसका पासवर्ड बड़े पापा के जैसा है। दादी के चार जेवर चारों बुआओं लक्ष्मी, शीला, शिवकली व अंतिम को दिए जाएं। हमारे हिस्से की जमीन चाचा व बड़े पापा के हक में रहेगी। अल्मारी में 1.20 लाख रु हैं। वह हमारे तेरहवीं आयोजन पर खर्च किए जाएं। मामा से दो लाख रु का कर्ज लिया था। पापा ने 2.40 लाख रु. चुका दिए हैं।

एक साथ उठी चार अर्थियां

पीएम के बाद शवों को घर लाया गया। जिसके बाद एक साथ सभी की शव यात्रा निकाली गई। मृतकों के सभी रिश्तेदार और आसपास के सैकड़ों ग्रामीणों ने नम आंखों से चारों को विदा किया। सभी के मन में एक ही सवाल था कि बच्चों का भविष्य क्यों समाप्त कर दिया।

एसडीएम-एसडीओपी ने की जांच

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम मनोज चौरसिया एसडीओपी सचिन परते और थाना प्रभारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। जिसमें पाया गया कि सेल्फास की तीन खाली डिब्बियां मिलीं है जिसमें से सभी ने गोलियों को पीसकर अलग अलग 4 गिलासों में घोलकर पिया है। फिलहाल हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

विधायक ने जताया शोक

पूर्व गृहमंत्री और खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि खुरई के टीहर गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों के असमय दु:खद निधन की सूचना अत्यंत हृदयविदारक है। दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार जनों के प्रति मैं गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

उच्च शिक्षा ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

सागर। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर में उच्च शिक्षा ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के संरक्षण में किया गया। कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व एवं उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के मार्गदर्शन में आयोजित की गयी। जिसमें नवंबर, 2025 में आयोजित होने वाले 5वें मुख्य सचिव राष्ट्रीय सम्मेलन के उपविषय उच्च शिक्षा ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था पर विद्वानों ने चर्चा की एवं मार्गदर्शन दिया। इस विषय पर भारत सरकार द्वारा फीडबैक माँगे गये हैं, जो 10 अगस्त तक सभी महाविद्यालयों को उपलब्ध कराने हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता रानी अवन्तीबाई विवि सागर के कुलगुरु डॉ. विनोद कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने विकसित भारत अंतर्गत पूंजी निर्माण, उद्योग एवं शिक्षा के विकास पर बल दिया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के पद पर पदस्थ डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यशाला में संभाग तथा प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने ऑनलाइन सहभागिता की।

छात्रावासों में छात्र/छात्राओं के अध्यापन के लिए आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

मंदसौर। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग अंगुरबाला भगोरा ने बताया कि चालू शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये अनुसूचित जाति जिला स्तरीय बालक एवं कन्या उत्कृष्ट छात्रावास मंदसौर तथा विकासखण्ड स्तरीय बालक कन्या उत्कृष्ट छात्रावास मल्हारगढ/सीतामउ/गरोठ /भानपुरा में प्रवेशित छात्र/छात्राओं के लिये विशेष कोंचिग अथवा अध्यापन कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति से सादे कागज पर अंक सूची सहित आवेदन आंमत्रित किये गए हैं। आवेदन पत्र पर स्नातक/स्नातकोत्तर में प्राप्तांकों का प्रतिशत लिखना अनिवार्य होगा। प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण शिक्षकों को कोचिंग व्यवस्था अंतर्गत अध्यापन कार्य हेतु लगाया जावेगा। जिसके लिये शासन द्वारा प्रतिकाल खण्ड अनुसार निर्धारित मानदेय देय होगा। कोंचिग सेन्टरों के आवेदन पत्र दि. 31 जुलाई तक कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग कलेक्टोरेट में लिए जाएंगे।

गार्ड के रोकने से आक्रोशित युवक कैंची लेकर डॉक्टर के केबिन में घुसा

मैहर। जिले के अमरपाटन सिविल अस्पताल में एक युवक चाकू लेकर पहुंचा तो अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि युवक एक मरीज का परिजन था। एंबुलेंस पहुंचने में देरी हुई थी तो वह ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर पर हमला करने पहुंचा था। अस्पताल के गार्डों ने समय रहते हालात को संभाल लिया। दरअसल, पूरा मामला रात करीब 10 से 11 बजे का है। जब अमरपाटन सिविल अस्पताल में आकस्मिक चिकित्सा ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर हिमांशु पांडे अस्पताल में मौजूद थे। सड़क हादसे में घायल दो युवक और एक युवती इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज कर तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था।

लिव इन पार्टनर और बेटी की हत्या कर युवक ने लिपस्टिक से लिखा कबूलनामा

विदिशा। जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है। युवक ने अपने लिव इन पार्टनर और उसकी छोटी बेटी की हत्या कर दी। हत्या के बाद वह लाश के करीब बैठा रहा है। साथ ही दीवारों पर अपनी बातों को लिखा है। इसके बाद लिपस्टिक से लिखकर अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही शव को बरामद कर लिया है। दरअसल, मृतक रामसखी कुशवाहा अपने पति को छोड़कर अनुज विश्वकर्मा उर्फ राजा के साथ लिव इन में रहती थी। साथ में उसकी एक बेटी भी थी। बताया जा रहा है कि राजा को यह शक था कि उसका किसी और से संबंध है। उसने दीवार पर भी यह बात लिखी है। दोनों में इसी बात पर तीखी बहस हो गई। गुस्से में अनुज ने रामसखी और उसकी छोटी बेटी की हत्या कर दी। गला घोंटने के बाद उसने मृतका के ऊपर गैस सिलेंडर भी पटक दिया। इसकी वजह से पूरे कमरे में खून फैल गया। घर में एक और बच्ची थी, जिसे अनुज ने छुआ तक नहीं। अनुज हत्या के बाद रामसखी की लाश के पास ही बैठा रहा।

सोहेल ने कुडो वर्ल्ड कप में जीता रजत पदक

सागर। दोपहर मेट्रो

मुंबई में आयोजित 166वें आयकर दिवस के अवसर पर कुडो वर्ल्ड कप 2025 में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने वाले सागर के सोहेल खान को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने सोहेल को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर आयकर विभाग (मुंबई क्षेत्र) की प्रधान मुख्य आयुक्त मालती आर. श्रीधरन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

सोहेल खान की ऐतिहासिक उपलब्धि पर कई प्रमुख हस्तियों ने उन्हें बधाई दी जिनमें हांशी मेहुल वोरा संस्थापक और चीफ हेड कोच कुडो इंडिया फेडरेशन,डॉ. मोहम्मद ऐजाज़ खान पर्सनल कोच एवं हेड कोच कूडो एमपी, शैलेन्द्र जैन विधायक एवं चेयरमैन, कुडो एसोसिएशन मध्यप्रदेश आदि शामिल हैं। सोहेल खान ने कहा कि इतने प्रतिष्ठित मंच पर सम्मानित होना मेरे लिए एक बहुत बड़ा गर्व का क्षण है। महाराष्ट्र के राज्यपाल से यह सम्मान प्राप्त करना मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। ज्ञातव्य हो कि हाल ही में सोहेल ने बुल्गारिया में आयोजित कुडो वर्ल्ड कप 2025 के पुरुष -250 वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वह फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बने और सीनियर डिवीजन में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

अपर कलेक्टर ने बीना में जल भराव स्थिति का लिया जायजा, दिए निर्देश

सागर। अपर कलेक्टर रुपेश उपाध्याय ने बीना में जल भराव वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। उपाध्याय ने एसडीएम विजय डेहरिया के साथ बीना में जल भरा वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं प्रभावित व्यक्तियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित व्यक्तियों की हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने जल भराव वाले क्षेत्रों में नाला एवं नाली सफाई कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बीना के प्रताप वार्ड कटरा मंदिर क्षेत्र एवं नई इंदिरा बस्ती में पहुंचकर जल भरने वाले क्षेत्र एवं उनसे प्रभावित व्यक्तियों से चर्चा की। उन्होंने एसडीएम और नगर पालिका सीएमओ को निर्देशित किया कि तत्काल जल भराव वाले क्षेत्र के नाले एवं नालियों की सफाई कराई जाए जिससे कि जल भराव की स्थिति निर्मित ना हो।

जिले के विद्यालयों का लगातार निरीक्षण जारी

सात शिक्षक अनुपस्थित, कारण बताओ नोटिस सहित वेतन काटने के दिए निर्देश

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर जिले के विद्यालयों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने बताया कि कार्यालयीन सहायक संचालक एमके चढ़ार एवं जिला परियोजना समन्वयक डॉ. गिरीश मिश्रा द्वारा जिले के विद्यालयों का निरीक्षण किया गया जिसमें अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों को कारण बताओं नोटिस सहित वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. खुरई की गायत्री शाक्य, अनीता सेन। शासकीय ललिता कन्या उ.मा.वि. खुरई स्मिता श्रीवास्तव, मायादेवी, कु. नेहा रोहित, श्रीराम चढ़ार शास. मॉडल उ.मा.वि. खुरई के ल छत्तर सिंह कुर्मी शास. माध्यमिक शाला क्रायला विकासखंड बंडा की रजनी और शास. प्राथमिक शाला नरवां के हरिराम अहिरवार को नोटिस सहित एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने बताया कि विद्यालयों के निरीक्षण की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बढ़ रहा है बाघों का कुनबा

कॉलर आईडी के बगैर बाघों की निगरानी वन अमले के लिए चुनौती

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ना जहां एक सकारात्मक संकेत है, वहीं उनकी निगरानी वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। मौजूदा समय में रिजर्व क्षेत्र में कई बाघ सक्रिय हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश के गले में रेडियो कॉलर नहीं लगे हैं, जिससे उनकी गतिविधियों पर नजर रखना मुश्किल हो रहा है।

फिलहाल केवल यहां पर तीन बाघिन व एक बाघ के गले में ही रेडियो कॉलर लगा हुआ है, जबकि अन्य बाघ खुले जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं। रेडियो कॉलर की अनुपस्थिति में वन विभाग की टीम को पगमार्क, कैमरा ट्रैप और अन्य पारंपरिक तरीकों से ही इनकी गतिविधियों का अनुमान लगाना पड़ता है, जो न तो सटीक होते हैं और न ही सुरक्षित। टाइगर रिजर्व में वर्तमान समय में 23 से25 बाघ निवास कर रहे हैं और सभी वयस्क हैं। इन्होंने अपना क्षेत्र भी अलग-अलग बना लिया है, लेकिन आज भी 20 ऐसे बाघ हैं जिनके गले में आईडी कॉलर नहीं है। इनकी लोकेशन वन अमला पदमार्ग से लेता है लेकिन केवल चार ही ऐसे बाघ हैं जिनके गले में आईडी कॉलर है। इनमें तीन मादा बाघिन और एक नर बाघ हैं। बांधवगढ़ से पिछले साल बाघ-बाघिन यहां लाए गए थे तब उनके गले में वहीं से कॉलर आईडी पहनाई गई थी। इसके अलावा कॉलर वालों में नौरादेही की महारानी कही जाने वाली बाघिन राधा जो सात साल से यहां है और 4 फरवरी को पेंच नेशनल पार्क से लाई गई बाघिन एन-6 शामिल है। 19 बाघ बिना कॉलर आईडी के ही प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में घूम रहे हैं। लोकेशन केवल पग मार्क से होती है। उनके पीछे सुरक्षाकर्मी लगे होते हैं, लेकिन कहीं-कहीं यह लापता भी हो जाते हैं वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेडियो कॉलर लगाना एक तकनीकी और खर्चीली प्रक्रिया है, जिसके लिए अनुभवी विशेषज्ञों की टीम और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। वर्तमान में टाइगर रिजर्व में इस तरह की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है।

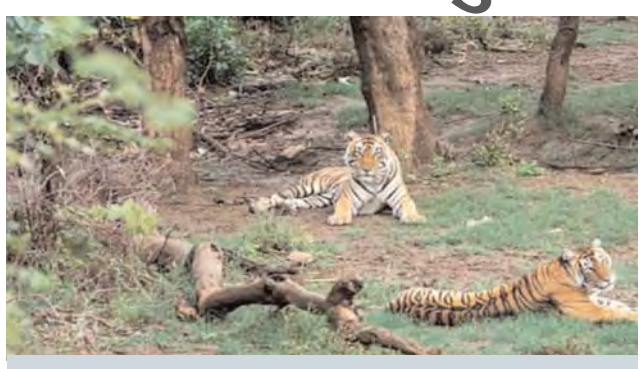

जरुरी है तकनीकी निगरानी

वयस्क बाघों की मूवमेंट पर नजर रखने के लिए रेडियो कॉलर बेहद आवश्यक है। इससे मानव-बाघ टकराव की घटनाएं रोकी जा सकती हैं और शिकारियों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकती है। साथ ही इससे बाघों के व्यवहार और आवागमन का वैज्ञानिक विश्लेषण भी संभव होता है। वहीं, मानसून के दौरान टाइगर रिजर्व के जंगलों में जलभराव और खराब सड़कों के कारण कई इलाके वन अमले की पहुंच से बाहर हो जाते हैं। ऐसे में बाघों की निगरानी करना और भी जटिल और जोखिम भरा हो जाता है। यदि सभी वयस्क बाघों को रेडियो कॉलर से लैस किया जाए, तो निगरानी व्यवस्था अधिक मजबूत और प्रभावी हो सकती है।

निगरानी की जा रही है

जो बाघ बाहर से लाए जाते हैं, उन्हें रेडियो कॉलर पहनना जरूरी होता है। लेकिन जो यहीं जन्मे हैं, उनकी निगरानी पारंपरिक तरीकों से ही की जा रही है

डॉ. एए अंसारी, डिप्टी डायरेक्टर, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

श्री गणेशाय नमः

ॐ नमः शिवाय

अखिल भारत हिंदू महासभा

द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला महोत्सव

कलचुरी भवन, चार इमली, अक्षय हार्ट हॉस्पिटल के सामने

26 - 27 - 28 जुलाई 2025

इस बार का सावन भोपालवासियों के लिए लेकर आ रहा है एक पावन अवसर — "द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला"

मुख्य आकर्षण:

- भारत के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों की भव्य प्रतिकृतियाँ

- काशी विश्वनाथ बनारस के प्रसिद्ध ब्राह्मणों के द्वारा तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भारत की 7 पवित्र जीवनदायिनी नदियों (गंगा मैया, यमुना मैया, सरस्वती मैया, माँ नर्मदा, सरयू जी, बेतवा जी, अखंड भारत की पहचान पवित्र सिंधु नदी, साथ ही पवित्र कैलाश मानसरोवर के जल) से अभिषेक एवं पूजन अर्चन

- 50+ स्टॉल्स के साथ विशाल सावन मेला: जहाँ होंगे धार्मिक वस्त्र, पूजन सामग्री, आयुर्वेदिक उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री, झूले और बच्चों के खेल आदि

- धार्मिक विचार संगोष्ठी: आध्यात्मिक वक्ताओं द्वारा धर्म, जीवन मूल्य व सनातन संस्कृति पर प्रेरणादायक विचार

- शिव आर्ट गैलरी: शिवजी से जुड़ी कलात्मक कृतियों की प्रदर्शनी चित्रों, मूर्तियों व रचनात्मक प्रस्तुतियों का संगम

- प्रति दिन 111 अभिमंत्रित त्रिशूल वितरण: लकी ड्रा के माध्यम से चुने गए श्रद्धालुओं को प्रतीकात्मक त्रिशूल भेंट स्वरूप प्रदान किए जाएंगे

- 11 अभिमंत्रित तलवारों द्वारा मातृशक्ति सम्मान: विविध क्षेत्र से 11 सनातनी महिलाओं एवं कन्याओं को उनके सामाजिक योगदान हेतु तलवार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा

- विशाल भंडारा: सभी भक्तों के लिए भंडारा एवं प्रसादी वितरण दिनांक 29 जुलाई 2025 को दोपहर 12:30 बजे से

-हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए समस्त सनातनियों की जागृति एवं मनवांछित फल प्राप्ति हेतु 101 ब्राह्मणों द्वारा 11 कुंडीय विशेष वैदिक हवन दिनांक 29 जुलाई 2025 को सुबह 9:30 बजे से

हर-हर महादेव!
शिव भक्त गौरव अध्वर्यु शर्मा
प्रदेश सह संगठन मंत्री
अखिल भारत हिन्दू महासभा (म प्र)
एवं मित्र मंडली

आइए, इस सावन भोपाल में शिवभक्ति, संस्कृति और संस्कारों के इस दिव्य संगम का हिस्सा बनें और पुण्य लाभ प्राप्त करें, साथ ही पूरे विश्व को दिखा दें कि हम सब एक हैं, हर सनातनी एक है।

+91 9810364008 +91 8962107290 +91 9617648005

एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज डीसी ओपन के सेमीफाइनल में

वॉशिंगटन। एम्मा रादुकानू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मारिया सकारी को 6-4, 7-5 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार

किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई। रादुकानू ने दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ने के बाद मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3 7-5 से हराया। महिला वर्ग में 2021 के अमेरिकी ओपन की उप विजेता लेयला फर्नांडीज ने भी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फर्नांडीज का अगला मुकाबला 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से होगा जिन्होंने मैग्डानेला फ्रेच को 6-3, 6-3 से हराया। मैग्डानेला फ्रेच ने इससे पहले गुरुवार को वीनस विलियम्स को हराया था। पुरुष वर्ग में अमेरिका के बेन शेल्टन लगातार दूसरे साल डीसी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

एशिया जूनियर बैडमिंटन तन्वी और वेन्नला ने विमेंस सिंगल्स में ब्रॉन्ज जीता

सोलो। इंडोनेशिया के सोलो में आयोजित इस टूर्नामेंट में तन्वी शर्मा और वेन्नला कालागोटला को सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किया जाता है। वेन्नला को चीन की खिलाड़ी ने

हराया वेन्नला कालागोटला को सेमीफाइनल में चीन की लियू सी या ने 37 मिनट तक चले मुकाबले में 15-21, 18-21 से हराया। दूसरी गेम में 15-20 से पीछे होने के बावजूद, वेन्नला ने हार नहीं मानी और तीन मैच पॉइंट बचाकर वापसी की उम्मीद जगाई। हालांकि, आखिरी क्षणों में एक छोटी-सी गलती के कारण लियू ने सीधे गेम में जीत हासिल कर ली। इससे पहले वेंनला ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की जान्यापोर्न मीपैथॉन्ग के खिलाफ 58 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वेंनला ने पहला गेम 21-18 से जीता, लेकिन दूसरा गेम 17-21 से हार गईं।

अनहत ने विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनहत सिंह कैरो में विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल सेमीफाइनल में मिस्र की नाडिएन एलहमामी से हार गईं जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में मिस्र की खिलाड़ी से 6-11, 12-14, 10-12 से हार गईं। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही 17 वर्षीय अनहत 2010 में दीपिका पल्लीकल के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं थीं। अगर वह जीत जातीं तो 2005 में जोशना चिनप्पा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद महिला व्यक्तिगत वर्ग में फाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी भारतीय बन जातीं। चैंपियंस टूर पीजीए में अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल ने आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन के पहले दौर में तीन अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर बने हुए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट : चौथे मुकाबले में नहीं चला जसप्रीत बुमराह का जादू

न धार दिखी, न रफ्तार, फेंका अपने करियर की सबसे खर्चीला स्पेल

नई दिल्ली, एजेंसी

मैनचेस्टर में चल रहे चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने टेस्ट करियर का सबसे खर्चीला स्पेल फेंका। उन्होंने 33 ओवर में 112 रन लुटाए और सिर्फ 2 विकेट ले सके, जो उनके करियर का अब तक का सबसे महंगा प्रदर्शन रहा। इससे पहले उन्होंने 2024-25 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में 99 रन देकर 4 विकेट लिए थे, लेकिन इस बार इंग्लैंड ने उन्हें पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया।

गति और धार दोनों में गिरावट- बुमराह पूरे मैच में अपनी पुरानी लय में नहीं दिखे। उनकी गेंदबाज़ी की रफ्तार शायद ही कभी 140 किमी/घंटा को पार कर पाई और उनकी गेंदों में वो धार नहीं दिखी जिसकी वो पहचान हैं। तीसरे दिन तो वह बार-बार ढीली गेंदें फेंकते नजर आए। दूसरे सत्र में वह मैदान से भी बाहर चले गए और दूसरी नई गेंद से गेंदबाज़ी नहीं कर पाए।

बुमराह के सबसे खर्चीले टेस्ट स्पेल्स

33 ओवर, 112 रन, 2 विकेट- बनाम इंग्लैंड, मैनचेस्टर, 2025
28.4 ओवर, 99 रन, 4 विकेट- बनाम ऑस्ट्रेलिया, मेलबर्न, 2024
26.0 ओवर, 88 रन, 1 विकेट - बनाम न्यूजीलैंड, वेलिंगटन, 2020
29.0 ओवर, 85 रन, 5 विकेट - बनाम इंग्लैंड, नॉटिंघम, 2018
36.0 ओवर, 84 रन, 3 विकेट - बनाम इंग्लैंड, चेन्नई, 2021

भारत की रणनीति पर उठे सवाल

भारत ने इस मैच में तीन ऑलराउंडर खिलाए, लेकिन कुलदीप यादव को मौका नहीं दिया गया। जब बुमराह लय में नहीं थे, तब गेंदबाज़ी में ना नियंत्रण दिखा और ना ही विकेट लेने की क्षमता। डेब्यूटेंट अंशुल कम्बोज को बुमराह के साथ नई गेंद दी गई, लेकिन वह प्रभाव नहीं छोड़ सके। सिराज को पहले गेंदबाज़ी नहीं दी गई, जिससे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ डकेट और क्रॉली ने 166 रन की धमाकेदार साझेदारी कर दी। इसके बाद रूट और स्टोक्स ने शानदार शतक जमाए और ब्राइडन कार्स ने तेज़ अर्धशतक लगाकर इंग्लैंड को 669 रन तक पहुंचा दिया- जो ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बन गया।

बुमराह की फिटनेस फिर सवालों में

बुमराह इससे पहले भी चोटों से परेशान रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी टेस्ट में चोटिल हुए थे और चैंपियंस ट्रॉफी भी मिस की थी। मौजूदा सीरीज़ से पहले उन्होंने कहा था कि वह तीन टेस्ट ही खेलेंगे, लेकिन तीसरे मैच में फिर से चोटिल होना उनके टेस्ट करियर की निरंतरता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

भारत ने 2 विकेट गंवाकर बनाए 174 रन, राहुल-गिल शतक के करीब

भारत-इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जा रहा है। इस मुकाबले का चौथा दिन बेहद रोमांचक रहा। इंग्लैंड की पहली पारी 669 के स्कोर पर सिमटी। इंग्लैंड ने 311 रनों की लीड बनाई थी। इसके जवाब में भारत की दूसरी पारी की शुरुआत भी बेहद खराब रही है। यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन बिना खाता खोले आउट हो गए। लेकिन इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने शानदार बल्लेबाजी की। दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 174 रन बना लिए। गिल नाबाद 78 और केएल राहुल नाबाद 87 रन बनाकर लौटे। भारत अभी इंग्लैंड की लीड से 137 रन पीछे है। बता दें कि इस मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 358 रन बनाए थे। मेजबान इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए यह मुकाबला करो या मरो से कम नहीं है।

क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का कब होगा डेब्यू?

2021 में हुए टीम इंडिया में शामिल, तब से 16 प्लेयर कर चुके करियर शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का भारतीय टीम के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है। अभिमन्यु का ये इंतजार चार साल का हो चुका है। अभिमन्यु साल 2021 में पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए थे और इंग्लैंड दौरे पर गए। लेकिन तब रोहित शर्मा और केएल राहुल ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला। अब रोहित शर्मा टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, फिर भी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अभिमन्यु ईश्वरन अब तक बेंच पर ही बैठे हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु भारतीय टीम के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे, लेकिन वो पांचों टेस्ट मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए।

इन चार सालों में 16 नए खिलाड़ियों ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, लेकिन अभिमन्यु ईश्वरन का इंतजार खत्म नहीं हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर मैच में तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भी डेब्यू करने में कामयाब रहे, जो चंद दिनों पहले ही टीम से जुड़े थे। अंशुल के अलावा श्रेयस अय्यर,

केएस भरत, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और साई सुदर्शन भी इस पीरियड में अपना टेस्ट डेब्यू करने में सफल रहे।

अभिमन्यु इस टीम के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेट

अभिमन्यु ईश्वरन का जन्म 6 सितंबर, 1995 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था। अभिमन्यु घरेलू क्रिकेट में अपने घरेलू राज्य की बजाय बंगाल टीम के लिए खेलते हैं। उनके पिता आरपी ईश्वरन ने कई साल पहले पुरकुल गांव में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की थी। इसी एकेडमी में अभिमन्यु ने क्रिकेट के गुर सीखे थे। अभिमन्यु ईश्वरन का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा है। अभिमन्यु ने अब तक 103 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें उन्होंने 48.70 की औसत से 7841 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 31 अर्धशतक निकले। इस खिलाड़ी ने 89 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 47.03 की औसत से 3857 रन बनाए। लिस्ट-ए क्रिकेट में अभिमन्यु ने 9 शतक और 23 अर्धशतक लगाए। अभिमन्यु ने 34 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 37.53 के एवरेज से 973 रन दर्ज हैं। टी20 क्रिकेट में अभिमन्यु के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले।

एशिया कप क्रिकेट यूएई में खेला जाएगा, डेट फाइनल

9 से 28 सितंबर के बीच होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 यूएई में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होगा और फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इसकी जानकारी दी है। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में होगा। नकवी जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं, ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अउउ एशिया कप 2025 अब आधिकारिक रूप से यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जाएगा। यह एक शानदार टूर्नामेंट होगा और हम सभी को शानदार क्रिकेट देखने को मिलेगा। शेड्यूल की पूरी जानकारी जल्द साझा की जाएगी। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को मिली है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के खराब संबंध के कारण यह न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान ने की थी। हालांकि भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से मना कर दिया था, तब यह हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था। भारत के सभी मैच श्रीलंका में हुए थे। भारत ने श्रीलंका को हराकर एशिया कप 2023 का खिताब जीता था। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था।

राजेश खन्ना की तरह छोटी बेटी को नहीं मिली शोहरत

21 साल पहले फिल्मों से दूर होकर कहां गईं रिंकी?

सादगी से भरा चेहरा, प्यारी सी मुस्कान और सुपरस्टार राजेश खन्ना की फिल्मी विरासत लिए रिंकी खन्ना ने बॉलीवुड में कदम रखा था। बड़ी बहन ट्विंकल भी फिल्मों में सक्रिय थीं। लेकिन रिंकी के हिस्से वह शोहरत ना आ सकी, जो पिता राजेश खन्ना और मां डिंपल कपाड़िया ने देखी। चंद फिल्में करके रिंकी बॉलीवुड से दूर हो गईं। जानिए, अब वह कहां हैं? वह एक्टिंग छोड़कर क्या कर रही हैं? हाल-फिलहाल रिंकी अपनी बेटी नाओमिका के कारण क्यों चर्चा में आईं?

साल 1999 में फिल्म 'प्यार में कभी कभी' से रिंकी खन्ना ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म में रिंकी ने खुशी नाम का किरदार निभाया। फिल्म के कुछ गाने जो रिंकी पर फिल्माए गए वो काफी फेमस हुए, इसमें 'मुसु मुसु हासी देऊ मलाई लाई, मुसु मुसु हासी देऊ, जरा मुस्कुरा दे मुस्कुरा दे, जरा मुस्कुरा दे ए खुशीज' और 'वो पहली बार हम मिलेंज' जैसे गीत शामिल रहे। इस फिल्म के लिए रिंकी को फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू का नॉमिनेशन भी मिला था। आगे चलकर भी रिंकी खन्ना ने सिर्फ आठ फिल्मों में काम किया। इसमें गोविंदा के साथ फिल्म 'जिस देश में गंगा रहता है' की। करीना कपूर स्टारर फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' में रिंकी ने तुषार कपूर के किरदार की बहन का रोल किया। एक तमिल फिल्म 'मजनू' की। सलमान खान के साथ फिल्म 'ये है जलवा' की। साथ ही 'मैंगो सूफले', 'प्राण जाए पर शान ना जाए', 'झंकार बीट्स' और 'चमेली' जैसी फिल्मों में लीड या सपोर्टिंग रोल किए।

दूसरे हफ्ते भी बॉक्स ऑफिस पर चमकी सैयारा

200 करोड़ छूने से सिर्फ कुछ ही दूर है फिल्म

डायरेक्टर मोहित सूरी इन दिनों हर तरफ छाए हुए हैं। उन्होंने एक लंबे समय बाद फैंस को थिएटर्स में सेलिब्रेट करने का मौका दिया है। उनकी फिल्म सैयारा लोगों के जहन में बस चुकी है। जो भी इसे देखकर थिएटर्स से बाहर निकल रहा है, उसकी जुबान पर सिर्फ फिल्म के लिए तारीफ ही सुनाई दी है। सैयारा बॉक्स ऑफिस पर इस साल की सबसे बड़ी सरप्राइज फिल्म बनकर सामने आई।

सैयारा ने अपने पहले दिन शानदार 21.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी जो पिछले 15 साल में किसी भी न्यूकमर की फिल्म के मुताबिक सबसे ज्यादा है। लोगों ने अहान और अनीत की फिल्म को लगातार बहुत प्यार दिया। सैयारा ने महज चार दिनों में 100 करोड़ कमा लिए थे। इसके बाद अगले तीन दिनों में भी फिल्म का कलेक्शन बेहद शानदार ही रहा। अब मोहित सूरी की फिल्म अपने दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है।

बॉक्स ऑफिस पर चमकी सैयारा, क्या है बाकी फिल्मों से उम्मीद?

सैयारा की आंधी जहां बॉलीवुड में एक तरफ रोमांटिक फिल्मों के लिए उम्मीद लेकर आई है। वहीं दूसरी तरफ कुछ फिल्में जो अभी रिलीज हुई हैं और होनी बाकी हैं उनके लिए खतरा बनकर आई। सैयारा की दीवानगी को देखते हुए अजय देवगन ने अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 एक हफ्ते के लिए पोस्टपोन की। वहीं 25 हॉलीवुड से मार्वेल की फिल्म द फैंटास्टिक फोर भी पहले दिन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। माना जा रहा है कि अगर सैयारा बॉक्स ऑफिस पर इसी रफ्तार से दौड़ती रही, तो ये जल्द 300 करोड़ का आंकड़ा भी छू सकती है। फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा नहीं है। अगर फिल्म ज्यादा कमाई करने में कामयाब हुई तो इसे बहुत जल्द ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर का टैग मिल जाएगा। अब देखना ये है कि आखिर सैयारा अपनी आंधी में किस-किस फिल्म का काम बिगाड़ेगी।

दिलजीत दोसांझ ने फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर दिया बड़ा अपडेट, सेट से शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म बॉर्डर 2 इन दिनों खूब चर्चा में है। अब इस फिल्म को लेकर एक्टर दिलजीत दोसांझ ने बड़ा अपडेट दिया है। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दिलजीत, वरुण धवन और अहान शेट्टी को लड्डू खिलाते दिख रहे हैं और फिर उनके गले लगते हैं। इसी के साथ एक्टर सेट पर मौजूद क्रू मेंबर्स का भी धन्यवाद करते हैं। दरअसल दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी हो गई है। इसलिए वो सेट पर इसे लेकर जश्न मना रहे हैं। दिलजीत ने इसे लेकर वीडियो शेयर किया है। उसमें एक्टर बच्चों और फिल्म की टीम के साथ मिठाइयां भी बांटीं, और बैकग्राउंड में 1997 में आई बॉर्डर का फेमस गाना संदेशे आते हैं बज रहा था।

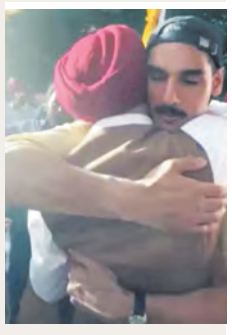

दिलजीत ने पोस्ट में क्या लिखा?

दिलजीत ने वीडियो पोस्ट करते हुए अपने कैप्शन में लिखा, बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म। फिल्म में शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों जी का किरदार निभाने का मौका मिला। वहीं दिलजीत की इस पोस्ट पर वरुण का रिएक्शन भी आया। एक्टर ने रील पर कमेंट करते हुए लिखा, पाजी एक शॉट बाकी है, अनुराग बुला रहे हैं। अनुराग सिंह के डायरेक्शन में बन रही फिल्म बॉर्डर 2 में बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी के साथ लीड रोल में हैं।

घर से भटका सात साल का बच्चा रेलवे स्टेशन पर सोता मिला

भोपाल। स्टेशन बजरिया पुलिस ने घर से लापता हुए सात साल के बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चा रहस्यमय तरीके से लापता हुआ था और पुलिस उसकी तलाश करते हुए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंच गई। वहां प्लेटफार्म नंबर-2 से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया। बच्चा परिजन को सौंपते हुए ठीक से देख रेख करने की समझाइश दी गई है। विजय नगर का मामला, तीन पुलिस टीम ने तलाशा थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि विजय नगर में रहने वाले एक पिता सूचना दी कि उनका सात साल का बेटा घर से बिना बताए कहीं चला गया है। उसकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन वह मिल नहीं रहा है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने तीन अलग अलग टीम का गठन किया और बच्चे की तलाश में लगाया। साथ ही बच्चे के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया। इसके अलावा कंट्रोल रूम सहित जीआरपी और आरपीएफ को भी बच्चे के गुम होने की जानकारी फोटो के साथ भेजी गई। बजरिया पुलिस ने विजय नगर से रेलवे स्टेशन तक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर पुलिस की टीम भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची।

तलैया थाना क्षेत्र का मामला

अब कोर्ट में पेश होगा शाहवर, फिर क्राइम ब्रांच मांग सकती है रिमांड

- **यासीन मछली कोर्ट में पेश, पांच दिन की रिमांड**
- **ड्रग तस्कर यासीन और शाहवर पर प्रकरण दर्ज होते ही खुलने लगी परतें**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमडी ड्रग तस्कर चाचा भतीजे के खिलाफ क्राइम ब्रांच की कार्रवाई होने के बाद लगातार पीड़ित पक्ष अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंच रहे हैं। अब तक तीन पीड़ित आपबीती सुनाने और शिकायत लेकर पहुंच चुके हैं। शनिवार को यासीन की रिमांड खत्म होने के कारण उसे क्राइम ब्रांच की टीम जिला कोर्ट लेकर पहुंची थी। कोर्ट में पेश करने के बाद पांच दिन की रिमांड मांगी गई। गंभीर प्रकरण होने के कारण पांच दिन की रिमांड क्राइम ब्रांच को मिली है। इधर क्राइम ब्रांच

की टीम आरोपियों के जब्त मोबाइल पर मिल रहे कांटेक्ट नंबरों के आधार पर संदेहियों को बुलाकर पूछताछ कर रही है। हालांकि कोई बड़ी उपब्धि क्राइम ब्रांच को नहीं मिली है। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। पूछताछ और मोबाइल में मिले डाटा के आधार पर जांच की जा रही है। प्रकरण में और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

शहर के बाहर भी दबिश

आरोपियों के मोबाइल में डाटा और पूछताछ के आधार पर क्राइम ब्रांच राजधानी के बाहर भी दबिश दे रही हैं। शनिवार को क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रकरण में संदिग्धों को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि सबूत पर्याप्त नहीं होने के कारण उन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। क्राइम ब्रांच ने उन्हें संपर्क में रहने और जांच में मदद करने का कहकर छोड़ा है। साथ ही हिदायत दी है कि जब जांच चल रही है वह संपर्क में रहेंगे और शहर से बाहर जाने का विचार भी नहीं करेंगे।

तलैया में भी यासीन मछली के खिलाफ शिकायत

एमडी ड्रग की तस्करी का यह हाईप्रोफाइल मामला प्रकाश में आने के बाद आरोपियों के पुराने कारनामे सामने आने लगे हैं। बताया जाता है कि तलैया पुलिस एक युवक ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसके साथ ब्लैकमेलिंग की गई है। आरोपी यासीन ने उसे बंधक बनाकर मारपीट की थी। इसके अलावा निशातपुरा और पिपलानी में दो पीड़िताएं पूर्व में शिकायत कर

दवा ग्राहक को डिस्काउंट मामले में कांग्रेस बोली-मप्र का पिंटू कौन

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने मप्र फार्मेसी काउंसिल द्वारा जारी एक सार्वजनिक सूचना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। गुप्ता ने कहा कि फार्मेसी काउंसिल सार्वजनिक सूचना के माध्यम से दुकानदारों द्वारा ग्राहकों को दिए जाने वाले डिस्काउंट पर रोक लगाना चाहती है जो कि गरीब उपभोक्ताओं की गुणवत्तापूर्ण दवाओं से पहुंच को रोकेगा। गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से राष्ट्रीय फार्मेसी काउंसिल में पिंटू पटेल पैदा हुए हैं और जिन्हें सरकार ढूंढती फिर रही है वैसे ही क्या मध्य प्रदेश में भी फार्मेसी काउंसिल में पिंटू पटेल पैदा हो गए हैं जो उपभोक्ता के हितों से ज्यादा अपने हितों को ध्यान में रख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मप्र फार्मेसी काउंसिल ने डिस्काउंट देने पर दुकान के लाइसेंस रद्द कर देने की चेतावनी भी दी है और कहा है कि डिस्काउंट देने से मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है।आश्चर्यजनक है कि इस सूचना में थोक विक्रेताओं द्वारा दिये जाने वाले डिस्काउंट का कोई जिक्र नहीं है गुप्ता ने इसे जांच का विषय बताया है कि किन दवा माफियाओं के हितों की रक्षा करने के लिए फार्मेसी काउंसिल इस तरह की अति सक्रियता बरत रही है । अगर इस तरह के जनहितकारी व्यावसायिक लेन-देन पर पाबंदी लगाई जाती है तो कांग्रेस पार्टी इन तथाकथित पिंटुओं का घेराव करेगी।

पुनर्गठन अधिनियम की धारा को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी

भोपाल । राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) के अंतर्गत उत्तरवर्ती मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को महंगाई राहत देने से पूर्व आपस में ली जा रही सहमति को पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा चुनौती देने वाली याचिका में उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक जैन ने गृह मंत्रालय, भारत सरकार, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग को नोटिस जारी कर आगामी सुनवाई 8 सितंबर नियत की है । पेंशनस एसोसिएशन के मुताबिक वित्त विभाग ने दिनांक 30 अक्टूबर 2000 को परिपत्र जारी कर एकीकृत मध्य प्रदेश के पेंशनरी दायित्वों का निर्धारण जनसंख्या अनुपात में करते हुए मध्यप्रदेश से 73.38 एवं छत्तीसगढ़ से 26.62 निर्धारित कर दोनों राज्यों से पेंशनरी दायित्वों की वसूली हेतु महालेखाकार मध्यप्रदेश एवं छग को अधिकृत किया गया ।

युवक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

भोपाल। गोविंदपुराथाना क्षेत्र स्थित शांति नगर बरखेड़ा में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार

विजय प्रसाद पिता नीबूलाल भारती (36) शांति नगर बरखेड़ा में रहताथा और प्राइवेट काम करताथा। उसके परिवार में पत्नी दो साल का बच्चा साथ ही भाई का परिवार रहता था। परिजन ने बताया विजय खुल्ली मजदूरी करताथा। उसकी सुबह देरी से उठने की आदत थी। गुरुवार रात को उसने परिवार के साथ खाना खाया और अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार सुबह साढ़े 11 बजे तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो आवाज दी गई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। परिजन न पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। इस दौरान अंदर कमरे में विजय का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।

शराब तस्कर गिरफ्तार, 69 लीटर देशी शराब जब्त

भोपाल। अवधपुरी पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 69 लीटर देशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत 29 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि अपने महंगे शौक पूरे करने वह अवैध शराब की तस्करी कर रहा था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि बीडीए कॉलोनी अवधपुरी में बदमाश गुड्डू बाथम उर्फ खेमचन्द्र घोसले अपने घर के पास अवैध रुप से शराब बेच रहा है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने टीम बनाकर बीडीए कॉलोनी अवधपुरी भेजी। इस दौरान बीडीए कालोनी अवधपुरी में एक संदिग्ध नजर आया। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बदमाश गुड्डू बाथम उर्फ खेमचन्द घोसले (25) बीडीए कालोनी आंगनवाड़ी, अवधपुरी बताया। पूछताछ में उसने मकान के बगल में खाली पड़े प्लाट बने टायलेट में अवैध शराब छिपाकर रखने की बात कही। पुलिस ने टायलेट में रखी 8 पेटी अवैध शराब जब्त कर ली है।

सरपंच -सचिव ने पांच मृत व्यक्तियों को जीवित बताकर ली मजदूरी

जिला पंचायत कमेटी की जांच के बाद बैरसिया पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी और गबन का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित अर्रावली गांव के सरपंच गंगाराम और सचिव छगन यादव के खिलाफ पुलिस धोखाधड़ी और शासकीय राशि गबन करने का मामला दर्ज किया है। उक्त मामला जिला पंचायत के बाबू की शिकायत पर किया है। दरअसल, मनरेगा के तरह मजदूरों को मिलने वाले पारीश्रमिक को सरपंच और सचिव द्वारा निकाल लिया गया। पांच ऐसे व्यक्ति जिनकी मौत हो गई है उन्हें जीवित बताकर

उनका जॉब कार्ड बनाकर सरपंच और सचिव ने शासकीय राशि का गबन किया है। पुलिस ने आरोपी सरपंच और सचिव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया है। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एएसआई हरिशचंद्र ने बताया कि वैभव बनोदिकर, जिला पंचायत में बाबू है। उन्होंने बताया कि गांव अर्रावली के सरपंच गंगाराम और सचिव छगन यादव द्वारा पांच ऐसे व्यक्ति जिनकी मौत हो चुकी है उनका जॉब कार्ड बनाया गया। उनकी फर्जी हस्ताक्षर कर गंगाराम और छगन यादव ने उनके नाम से मिलने वाला पारीश्रमिक निकाल लिया। यह पूरा घटनाक्रम 22 दिसंबर 2023 से 19 अप्रैल 2024 के बीच चला।

एटीएम में घुसकर तोड़फोड़, पुलिस ने दर्ज किया चोरी का प्रयास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद चौराहा पर महानगर बैंक एटीएम घुसकर चोरी के प्रयास का मामला सामने आया है। हालांकि जो चोर एटीएम में घुसथा उसे देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि वह चोरी की नियत से नहीं, बल्कि शरारत की नियत से घुसाथा। बैंक एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि वह लकड़ी से तोड़फोड़ कर रहा था। पुलिस ने ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर चोरी के प्रयास का मामला दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार करोंद चौराहा पर पेट्रोल पंप के पास महानगर बैंक का एटीएम है। महानगर बैंक के ब्रांच मैनेजर राजेश सिलावट ने बताया कि 24-25 की दरमियानी रात कोई अज्ञात युवक एटीएम में घुस गया और लकड़ी से तोड़फोड़ की। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह लोगों ने बैंक को दी थी। इसके बाद एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो एक 30-35 साल का युवक एटीएम में तोड़फोड़ करता हुआ नजर आया। वह सिर पर टोपी लगाए हुएथा।

महर्षि विद्या मंदिर के अकाउंटेंट ने लगाया 33 लाख का चूना

भोपाल। महर्षि विद्या मंदिर के अकाउंटेंट ने कोरोना काल में संस्था के पदाधिकारियों को गुमराह करते हुए चेक पर साइन करा लिए तथा बाद में खाते से निकाले गए पैसों को अपने बैंक खाते में जमा कर लिया। ऑडिट में जब यह बात पता चली तो उसने नौकरी छोड़ दी। इधर संस्था की ओर से मामले की शिकायत पुलिस को की गई थी। जांच के बाद मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया गया है। ईंटखेड़ी एसडीओपी मंजू चौहान ने बताया कि महर्षि विद्या मंदिर के संयुक्त निदेशक विधि इंद्रजीत दत्त ने ईंटखेड़ी थाने में शिकातय की थी। इस शिकायत में उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2020 में लांबाखेड़ा स्थित महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में सुनील पांडे नाम का अकाउंटेंट था। संस्था का बैंक ऑफ बड़ोदा में खाता था। संस्था के पूरा आर्थिक लेन-देन सुनील के द्वारा ही किया जाता था। बैंक खाते से पैसा निकालने के लिए सुनील के अलावा एक अन्य पदाधिकारी के हस्ताक्षर होना जरूरी थे। चूंकि उस समय कोराना फैला हुआ था तथा अधिकांश लोग अपने घर से ही काम किया करते थे तो सुनील ने अलग-अलग मद के काम बताकर कई ऐसे का चैक पर साइन करा लिए जो काम होने ही नहीं थे और हुए भी नहीं। सुनील ने उन कार्यों के नाम पर पैसा निकाला तथा अपने बैंक खाते में जमा कर लिया।

बदमाशों ने रैपिडो चालक को चाकू अड़ाकर बाइक और मोबाइल लूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर स्थित रेशम केंद्र के पास रात करीब ग्यारह बजे बदमाशों ने एक रैपिडो चालक को चाकू अड़ा दिया और बाइक तथा मोबाइल फोन लूटकर भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मूलत- बैतूल निवासी मौजीलाल पुत्र साहब लाल (25) यहां शहंशाह गार्डन थाना अशोका गार्डन में रहता है और रैपिडो बाइक चलाता है। रात करीब ग्यारह बजे उसे करोंद मंडी के पास बुकिंग मिली थी। बुकिंग मिलने के बाद वह सवारी को लेने

के लिए करोंद मंडी की तरफ जा रहा था। गौतम नगर थानांतर्गत रेशम केंद्र के पास उसने लघुशंका करने के लिए अपनी बाइक रोकी। इसी दौरान पीछे से आए दो बदमाशों ने उसे चाकू अड़ा दिया और बाइक की चाबी तथा मोबाइल फोन छीन लिया। बदमाशों ने धमकी दी कि अगर उसने शोर मचाया तो उसे चाकू मार देंगे। उसके बाद बदमाश मौजीलाल की बाइक और मोबाइल फोन लेकर भाग निकले। घटना के बाद मौजीलाल काफी डर गया था, इसलिए वह घर चला गया।

शुक्रवार की शाम को उसने थाने जाकर लूटपाट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की तलाश कर रही है। छात्र का मोबाइल लूटने वालों का सुराग नहीं टीटी नगर इलाके में मैनिट छात्र का मोबाइल लूटने वाले बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका है।

मैट्रो एंकर ओवरटैक करने के प्रयास बस सामने लगाई, सिटी बस का कांच फूटा

सवारी को लेकर सिटी बस व फीडर बस के चालक भिड़े, थाने में किया समझौता

भोपाल,दोपहर मेट्रो

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित बोर्ड ऑफिस के पास शनिवार दोपहर सवारी को लेकर सिटी बस और फीडर बस के ड्राइवर सहित कंडक्टर आपस में भिड़ गए। इस दौरान सड़क पर ही गालीगलौज और झूमाझटकी सहित मारपीट होने लगी। सरेराह विवाद होने से जाम की स्थिति बन गई थी। मामला एमपी नगर थाने पहुंचा

और पुलिस ने दोनों पक्षों पर काउंटर प्रकरण दर्ज करने की बात कही। इस पर दोनों पक्षों के बीच सुलह हो गई और उन्होंने शिकायत नहीं करने की बात कही।

जानकारी के अनुसार सिटी बस बोर्ड ऑफिस जा रही थी। इसी बीच बारह बजे के आसपास पीछे से आ रही फीडर बस के चालक ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक बस को ओवरटैक करते हुए अपनी बास आगे लगा दी।

इससे सिटी बस का अगला हिस्सा और फीडर बस का पिछला हिस्सा टकरा गया। इससे सिटी बस का कांच टूट गया। सिटी बस का कांच टूटने से विवाद बढ़ गया। विवाद बढ़ने पर सिटीबस और फीडर बस के ड्राइवर कंडक्टर आमने सामने हो गए। दोनों ने सरेराह गालीगलौज और झूमाझटकी शुरू कर दी।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/88/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई– खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाए आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण/विनिर्देश के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा
1	81255293	Thick वेब स्विच सिमेट्रिक रेल ग्रेड.	99 सेट
2	20254302	हाई वोल्टेज बुशिंग	30 नंबर
3	40252744	वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड बैटरी	360 सेट
4	20255022	IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस फॉर रोलिंग स्टॉक.	1029 सेट
5	20254146	सेट ऑफ रोलर बेअरिंग	353 सेट
6	50235072D	PIJF केबल.	68.8 किमी.
7	30252003	प्रोक्योरमेंट ऑफ 16.25 टी ICF बोगी फ्रेम अरेंजमेंट फॉर सेल्फ जनरेशन AC कोचेस.	18 नंबर

उपरोक्त निविदाओं में क्र. सं. 1 की नियत तिथि– 14.08.2025, क्र. सं. 2 की नियत तिथि – 21.08.2025, क्र. सं. 3 की नियत तिथि – 25.08.2025, क्र. सं. 4 की नियत तिथि – 26.08.2025, निविदा सं. 5 की नियत तिथि – 01.09.2025, निविदा सं. 6 की नियत तिथि – 02.09.2025, निविदा सं. 7 की नियत तिथि – 08.09.2025, 50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता.)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022